Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 51 | शनिवार, 21 फरवरी -2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सरहदों के रक्षक अब एआई से लैस

रक्षा मंत्री ने देखा भारतीय सेना का भविष्य पवेलियन में नई तकनीक का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को एआइ इंपैक्ट समिट में सेना के पवेलियन का दौरा किया, जिसमें जलवायु विज्ञान और आपदा पूर्वानुमान प्रणाली से लेकर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चालक की थकान का पता लगाने वाले उपकरण तक कई अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया गया है, जो एआइ पर आधारित हैं।

भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रक्षा मंत्री ने भारत मंडपम के हाल संख्या चार में स्थित पवेलियन का दौरा किया। इस पवेलियन ने युवा और बुजुर्ग दोनों तरह के आगंतुकों को आकर्षित किया है। बाद में रक्षा मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत मंडपम में आयोजित एआइ इंपैक्ट समिट में शामिल होकर बेहद खुशी हुई। भारत एआइ और उन्नत प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में तेजी से वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। यह शिखर सम्मेलन हमारे नवप्रवर्तकों, शोधकताओं, स्टार्टअप, सशस्त्र बलों और उद्योग जगत के दिग्गजों की अपार प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। एआई इंपैक्ट समिट 2026 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से व्यक्त किया गया भारत का एआइ ध्रिष्टकोण मानव मानवता को सुरक्षित और भविष्य के लिए तैयार दुनिया की ओर अग्रसर करता है।

2026

में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से व्यक्त किया गयाएआई इंपैक्ट समिट

नाइजीरिया में नरसंहार

सशस्त्र लोगों ने 50 लोगों की हत्या की, महिलाओं और बच्चों का किया गया अपहरण

मैदुगुरी।

नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी जमफारा राज्य के एक गांव पर सशस्त्र लोगों के हमले में लगभग 50 लोग मारे गए और कई महिलाओं और बच्चों का अपहरण कर लिया गया। यह जानकारी राज्य के एक संसद सदस्य ने शुक्रवार को दी। बुक्कुयुम दक्षिण का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद हमीसु ए फारू ने बताया कि हमलावरों ने तुंगन दुत्से गांव पर धावा बोला। गुरुवार से शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे तक उन्होंने इमारतें जला दीं और भागने की कोशिश कर रहे लोगों पर गोलियां चलाईं। स्थानीय नेता और स्थानीय सरकारी अधिकारी अभी भी लापता लोगों का पता लगा रहे हैं। तुंगन दुत्से के रहने वाले 41 वर्षीय अब्दुल्लाही सानी ने बताया कि हमले में उनके परिवार के तीन सदस्य मारे गए। उन्होंने कहा कि इस घटना से हम सब बहुत दुखी हैं।

पूर्व मध्य रेलवे ने होली पर किए व्यापक इंतजाम

पटना।

होली पर्व के मद्देनजर पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल ने यात्रियों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। मंडल के प्रमुख स्टेशनों दिलदारनगर, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, जहानाबाद, नवादा, शेखपुरा, किऊल और झाझा पर विशेष व्यवस्था की गई है। अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए मंडल ने कई होली उत्सव विशेष ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। पुरी-पटना के बीच गाड़ी संख्या 08439/08440 साप्ताहिक चलाई जाएगी। गोंदिया-पटना के बीच 08861/08862 विशेष ट्रेन निर्धारित तिथियों पर चलेगी। 03293/03294 प्रतिदिन सेवा देगी। इसी तरह पटनाझचर्लापल्ली (03253/03254/03255) साप्ताहिक आधार पर, तथा शेखपुराझआनंद विहार (02397/02398 एवं 03697/03698) के बीच विभिन्न दिनों में स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए चलेंगी 23 विशेष ट्रेनें

मतदाता सूची पुनरीक्षण में चूक: बंगाल के दोषी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

कोलकाता।

केंद्रीय निर्वाचन आयोग बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के तहत बड़ी संख्या में मतदाताओं के दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने में विफल रहने के लिए संबंधित मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) को कारण बताओ नोटिस जारी करेगा। एक अधिकारी के अनुसार, सुनवाई समाप्त होने के चार दिन बाद भी लगभग एक लाख पंद्रह हजार दस्तावेज अभी तक अपलोड नहीं किए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के सूत्रों ने दावा किया है कि 120 ईआरओ और 150 एईआरओ को दोषी पाया गया है। बता दें कि इससे पहले आयोग ने दो ईआरओ, नौ एईआरओ, एक डाटा-एंट्री आपरेटर और तीन माइक्रो-आब्जर्वर के खिलाफ कार्रवाई की थी। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद बंगाल में 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने की तैयारी तेज हो गई है। निर्धारित समयसीमा को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार सीईओ ने उन्हें आश्वस्त किया है कि 28 फरवरी को ही अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। जिन मतदाताओं के नाम में कोई गड़बड़ी हैं, उनके लिए बाद में एक अतिरिक्त सूची प्रकाशित की जा सकती है।

यूपी में मौसम का अलग रंग, शामली में घना कोहरा छाया

लखनऊ।

प्रदेश में सक्रिय विक्षोभ का असर शुक्रवार को भी रहा। पश्चिमी क्षेत्र के कई जिलों में धूप के बीच बादलों की आवाजाही जारी रही, लेकिन लखनऊ और आसपास के जिलों में सुबह से ही तेज धूप निकलने से दिन में गर्मी रही। राजधानी का अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री और रात का 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को भी ऐसे ही पारा रहने का पूर्वानुमान है। 31 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ बहराइच प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। वहीं शामली में मौसम बदला दिखा है, यहां घना कोहरा छाया हुआ है। वाहन चालक लाइट जलाकर हाइवे से निकल रहे हैं। आगरा, मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, फिरोजाबाद, मैनपुरी में सुबह धूप निकल रही है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, शनिवार से पछुआ हवा के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में करीब तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है, जबकि दिन के तापमान में विशेष बदलाव की उम्मीद नहीं है। अगले तीन से चार दिनों तक मौसम में कोई बदलाव के आसार नहीं हैं।

घर पर ऐसे उगाएं 100% ऑर्गेनिक और रसीले टमाटर

नई दिल्ली। टमाटर न सिर्फ हर भारतीय किचन की जरूरत है, बल्कि इसके बिना कई डिशेज अधूरी लगती हैं। हालांकि, बाजार से खरीदे गए टमाटरों में केमिकल्स और पेस्टिसाइड्स का इस्तेमाल होना आम बात है, जो हमारे आपकी सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। ऐसे में, घर पर ही ताजे, रसदार और 100% ऑर्गेनिक टमाटर उगाना एक बेहतर ऑप्शन है और अच्छी बात यह है कि इन्हें उगाना उतना मुश्किल भी नहीं जितना लोगों को आमतौर पर लगता है। आइए, इस आर्टिकल में जानते हैं कुछ बेहद आसान तरीके जिनसे आप घर पर ही शानदार टमाटर के पौधे उगा सकते हैं।

अदालती फैसले से नाराज ट्रंप का एलान

'जजों ने किया शर्मिंदा, अब सभी देशों पर लगेगा 10% अतिरिक्त टैरिफ'

वाशिंगटन।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि वह 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त वैश्विक टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप ने टैरिफ रद करने के अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को निराशाजनक और गलत करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम के तहत लगाए गए उनके व्यापक वैश्विक टैरिफ को अवैध घोषित कर दिया है। ट्रंप ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह उन न्यायाधीशों से शर्मिंदा हैं, जिन्होंने उनके टैरिफ को रद करने का फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में उनकी बात नहीं सुनी गई। जजों ने देश के लिए ठीक से काम नहीं किया। कोर्ट का फैसला अमेरिका के हित में नहीं है। कोर्ट से ऐसे फैसले की उम्मीद नहीं थी। कोर्ट विदेशी हितों के समक्ष झुक गया। ट्रंप ने कहा कि वह 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ लगाने वाले आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे और साथ ही कई अन्य जांच भी शुरू करेंगे। यह अधिनियम राष्ट्रपति को "बड़े और गंभीर" भुगतान संतुलन मुद्दों से संबंधित किसी भी और सभी देशों पर 150 दिनों के लिए 15 प्रतिशत तक के शुल्क लगाने की अनुमति देता है। ये शुल्क वर्तमान में लागू टैरिफ के अतिरिक्त होंगे।

तैयारी इस समुद्री सम्मेलन में हिंद महासागर से जुड़े 33 देशों की नौसेनाओं के प्रमुख और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए

भारत ने 16 वर्षों बाद आईओएनएस की संभाली अध्यक्षता

विशाखापट्टनम।

विशाखापट्टनम में शुक्रवार को इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम के नौसेना प्रमुखों का सम्मेलन हुआ। इस दौरान एक ऐतिहासिक पल भी आया, जब भारतीय नौसेना ने रायल थाई नेवी से इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम की अध्यक्षता संभाली।

करीब 16 साल बाद भारत फिर से इस मंच की कमान पर लौटा है। इससे पहले भारत ने 2008 से 2010 तक इसकी पहली अध्यक्षता की थी। अब एक बार फिर भारत इस मंच को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी निभाएगा। इस समुद्री सम्मेलन में हिंद महासागर से जुड़े 33 देशों की नौसेनाओं के प्रमुख और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। यह 'इंडियन ओशन नेवल सिम्पोजियम' यानी आइओएनएस का 9वां कॉन्क्लेव था। बैठक में अटलांटिक से लेकर प्रशांत महासागर तक के देशों की मौजूदगी ने साफ कर दिया कि हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर गंभीरता और एकजुटता दोनों बढ़ रही हैं। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने स्पष्ट विजन दिया कि भारत आइओएनएस को सिर्फ औपचारिक मंच नहीं रहने देना चाहता, बल्कि इसे ज्यादा सक्रिय और काम करने वाला प्लेटफार्म बनाना चाहता है।

समुद्री सुरक्षा को लेकर जताई गई चिंता

संपादक की कलम से

एआई समिट से सीयू तक

नए जगत की खोज में हिंदोस्तान के कदम जहां निकले, वहां परिवेश में ज्ञान की दौलत को चिन्हित करना पड़ेगा। दुनिया को मुरीद बनाती तकनीक का सारा आलम ए आई से संचालित होने जा रहा है, जहां जीवन के हर पहलू में एक नया सवेरा खोजा जाएगा। दिल्ली में इंडिया इम्पैकट ए आई समिट के माध्यम से नई वैश्विक शक्ति, शिक्षा के नए विषय, सोचने का नया सामर्थ्य और जानने की नई क्षमता में सूक्ष्म बिंदुओं पर विचार हो रहा है। ज्ञान का परिदृश्य और तरक्की का आश्चर्य बोध हर लम्हे को इसकी अति सूक्ष्मता में जाहिर करेगा। भारत की क्रांतियों में ए आई की भूमिका अभी पीछे है। कम्प्यूटरिंग सुविधा के साथ ए आई के हब और गीगावाट की क्षमता में आरोहण का दस्तूर अभी परीक्षण के दौर में है, क्योंकि पानी और बिजली की खपत में डाटा भंडारण के हर कदम पर इस्तेमाल की व्यापकता है। एक विवाद ने निजी विश्वविद्यालय की पगड़ी उछाल दी और जग हंसाई के दस्तूर में ह्यए आईह्न एक जुमला सा हो गया। चीन और अमरीकी के बीच ए आई का जलवा भारत की पहचान में अभी मद्धिम है, तो समझना यह होगा कि हमारे आई आई टी और ट्रिपल आई टी के शोध पत्रों में कितना मसौदा भरना बाकी है। यूं तो कौशल विकास की खिड़कियों से रोजगार के अवसर देखे जा रहे हैं, लेकिन ए आई के संकल्प से रास्ते और भी कठिन होंगे। कहने को हमारी तुलना का विश्व हमें शक्ति देता है, लेकिन जिस देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफ्त के राशन की ताकत चाहिए, वहां आगे बढ ? के द्वंद्व कहीं ज्यादा बढ़ जाएंगे। बहरहाल देश में ए आई अब एक स्तंभ है और युवा महत्त्वाकांक्षा का अगला सफर। ऐसे में देश से प्रदेश तक और वैश्विक दृष्टि से अपने परिवेश तक मूल्यांकन जरूरी है। यह विडंबना है कि हिमाचल में सदन की बहस जिन मुद्दों पर टिकी है, वहां ए आई का जमाना बहुत दूर हो जाता है। यह दीगर है कि सुखविंदर सुक्खू सरकार ने रोबोटिक सर्जरी की पहल से आगे निकलने की कोशिश की या कुछ इंजीनियरिंग कालेजों के पाठ्यक्रम में विषय का शंखनाद हो गया, लेकिन हमें सोचना पड़ेगा कि हिमाचली विकास का वैज्ञानिक पक्ष कितना मजबूत है। क्या हमारे तमाम विश्वविद्यालयों ने एआई की जमीन तैयार की गई है। प्रदेश में शिक्षा का मात्रात्मक विकास जिस छोर पर खड़ा है, वहां नौकरी ही एंड प्रॉडक्ट माना गया है। नवाचार के क्षेत्र में ही हमारे विश्वविद्यालयों की प्रासंगिकता विराम तक पहुंच जाती है, तो आगे एआई के संदर्भ कैसे मजबूत होंगे। हिमाचल प्रदेश के केंद्रीय विश्वविद्यालय की आंखों में ए आई का प्रकाश हो जाए, तो ज्ञान की पाठशाला सशक्त होगी, वरना ऐसा नहीं लगता कि इस संस्थान की रचना में अंतरराष्ट्रीय पैमानों का सोच पल्लवित हो रहा है। विश्वविद्यालय की संगोष्ठियों में विषयों की परंपरा इतनी परंपरावादी है, कि छात्रों के जेहन में संस्कृति के नाम पर ज्ञान किसी पोखर में खड़ा हो रहा है। अगर संस्कृत भाषा के आलोक में ही विश्वविद्यालय को अपनी जन्मपत्री मजबूत करनी है, तो कब ए आई का पौधारोपण होगा। वैसे भी हिमाचल के तमाम विश्वविद्यालय एक ही पायजामा पहनकर अपनी मंजिलों में आत्म संतुष्ट दिखाई देते हैं।

ललित शर्मा
संपादक

उदय किशोर साह

खतरे में है आत्मसम्मान

कविता

निकल चलो अब इस बस्ती से
बेईमानों की बदनाम कश्ती से
शर्मसार हो गया है मान सम्मान
अब ना बचेगा यहाँ आत्मसम्मान

हर मोड़ पे जहाँ खड़ा है लुटेरा
कैसे करूँ उस बस्ती में मैं बसेरा
सभ्य लोग का जीना हुआ हराम
कोई राह दिखलाओ मेरे भगवान

लुट खसोट की खुल गई है बाजार
जहाँ बिक रही है ओछी संस्कार
समाज में फैल रही तेजी से विकार
कैसे हो इन चोरों का जग से बहिष्कार

यही सोंच कर आत्मा जार जार है रोता
लुट खसोट बनी धनवानों की स्त्रोता
अट्टालिका पे चढ़ कर हँस रहा है गुमान
निश्चित ही ये सब हो जायेगा गुमनाम

मानव हो शराफत से कर लो यहाँ प्यार
धर्म ईमान से मत कर भाई तकरार
अन्त दिन जब आयेगा पछतायेगा यार
मेरी सोंच पे करना एक बार तुँ विचार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस- 21 फरवरी, 2026

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

21 फरवरी को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम ह्लबहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाजह्व है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं। इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा। यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के

ललित गर्ग

लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है।

जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं। डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे-चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है एक सामूहिक संकल्प की-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

राष्ट्र-चिंतन

संजीव ठाकुर

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता अपने प्रतिनिधियों को संसद और विधानसभाओं में इसलिए भेजती है कि वे लोककल्याण की भावना से शासन करें। किंतु जब जनप्रतिनिधि अधिकारों के मद में उत्तरदायित्व को विस्मृत कर देते हैं, तब शासन व्यवस्था में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही और निरंकुशता पनपने लगती है। प्राचीन भारतीय चिंतन में भी यह संतुलन स्पष्ट रूप से व्यक्त हुआ है। कौटिल्य ने अपने महान ग्रंथ अर्थशास्त्र में स्पष्ट लिखा है कि जिस देश की प्रजा कष्ट में हो, वहां शासक का वैभव नैतिक रूप से अनुचित है। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय था। सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग करना हमारा अधिकार है, परंतु उनका संरक्षण और स्वच्छता बनाए रखना हमारा दायित्व भी है। पर्यावरण संकट इसका ज्वलंत उदाहरण है। स्वच्छ वायु, निर्मल जल और हरित धरती हमारा अधिकार हैं, किंतु प्रकृति की रक्षा करना हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। यदि हमने इस संतुलन को नहीं साधा, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। स्पष्ट है कि अधिकार और उत्तरदायित्व समानुपातिक हैं। वे सहयात्री हैं।एक के बिना दूसरा अधूरा है। लोकतंत्र की सफलता नागरिकों की सजगता, नैतिकता और जिम्मेदारी पर निर्भर करती है। यदि हम अपने अधिकारों के प्रति जितने जागरूक हैं, उतने ही अपने कर्तव्यों के प्रति भी हो जाएं, तो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों का समन्वित विकास संभव है।राष्ट्रनिर्माण केवल शासन का कार्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता से ही संभव है। अत : आवश्यकता इस बात की है कि हम अधिकारों की मांग करते समय अपने उत्तरदायित्वों का भी ईमानदारी से निर्वहन करें। यही लोकतंत्र की आत्मा है, यही राष्ट्रहित का पथ है।

अधिकार बनाम उत्तरदायित्व , समानुपातिक संतुलन की अनिवार्यता। वर्तमान समय में जब भारतीय लोकतंत्र अपनी मूल आत्मा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता को सुदृढ़ बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है, तब अधिकार और उत्तरदायित्व के प्रश्न पर गंभीर चिंतन आवश्यक हो गया है।
समाज का प्रत्येक नागरिक अपने अधिकारों के विस्तार की आकांक्षा रखता है और यह स्वाभाविक भी है। किंतु जब अधिकारों की मांग कर्तव्यों की उपेक्षा के साथ बढ़ती है, तब सामाजिक संतुलन डगमगाने लगता है।
प्रख्यात चिंतक वाल्तेयर ने कहा था
जितने अधिक अधिकार, उतनी अधिक जिम्मेदारी। यह कथन आज के संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक प्रतीत होता है।
अधिकार और उत्तरदायित्व वस्तुतः एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। स्वतंत्रता तभी सार्थक है जब वह संयम और जिम्मेदारी से संचालित हो; अन्यथा वह स्वच्छंदता बनकर अराजकता को जन्म देती है।
भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला भारतीय संविधान ने मूल अधिकारों के माध्यम से नागरिकों को व्यापक स्वतंत्रता प्रदान की है। यह इस विचार पर आधारित था कि बहुसंख्यक जनमानस, जो शिक्षा और संसाधनों से वंचित रहा, उसे राज्य और समाज के अन्याय से सुरक्षा मिले। परंतु इसी संविधान ने नागरिकों के लिए मौलिक कर्तव्यों का भी उल्लेख किया, ताकि अधिकारों का उपयोग संतुलित और राष्ट्रहितकारी हो।हाल के वर्षों में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करना नागरिक स्वतंत्रता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। किंतु इसके साथ यह दायित्व भी जुड़ता है कि हम अपनी निजता की रक्षा करते हुए दूसरों की स्वतंत्रता का अतिक्रमण न करें। अधिकार का विस्तार तभी सार्थक है जब वह सामाजिक मयार्दा और नैतिकता के दायरे में रहे। आधुनिकता के इस युग में नागरिक चेतना विकसित तो हुई है, परंतु नैतिक अनुशासन और कर्तव्य-बोध में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप अधिकारों की मांग तीव्र है, किंतु उत्तरदायित्व के निर्वहन में शिथिलता दिखाई देती है।

कृदय 2 .0 वार्षिकोत्सव , तीन दिवसीय चित्रकला संगम आर्ट एक्जीविशन का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया

मथुरा। छह दिवसीय कृदय-2.0 वार्षिकोत्सव की श्रृंखला में आज केएम विश्वविद्यालय परिसर में रंगों और कल्पनाओं का एक अनूठा संगम देखने को मिला। विवि के फाइन आर्ट्स डिपार्टमेंट द्वारा तीन दिवसीय ह्यचित्रकला संगमह्न आर्ट एक्जीविशन का आयोजन किया गया, जिसमें बीएफए छात्रों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का ऐसा जबरदस्त प्रदर्शन किया कि कला प्रेमियों का दिल भी जीत लिया। कृदय-2.0 वार्षिकोत्सव में खेलों के धमाल के साथ-साथ अन्य इवेंटों का आयोजन किया जा रहा है, आज ह्यचित्रकला संगमह्न आर्ट एक्जीविशन का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष/कुलाधिपति किशन चौधरी के प्रतिनिधि देवी सिंह (डीएम), विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति, कुलसचिव डा. पूरन सिंह, मेडीकल प्राचार्य डा. पी.एन. भिसे, एफएमटी प्रोफेसर डा. शरद अग्रवाल ने सरस्वती मां के समक्ष दीप जलाकर एवं फीता काटकर किया। जिपंअ प्रतिनिधि देवी सिंह ने छात्राओं द्वारा बनाई गई पेंटिंग्स की सराहना और प्रशंसा की और कहा ऐसी प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों का न सिर्फ कौशल निखरता है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। यह कृदय-2.0 वार्षिकोत्सव उन्हें अपनी सृजनात्मक दृष्टि को समाज के सामने रखने का अवसर देता है। विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा यहां केवल रंग नहीं, बल्कि युवाओं की मेहनत और उनकी गहरी सोच दिखाई दे रही है। इन कृतियों में कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का जो तालमेल है, वह वाकई अद्भुत है। कृदय-2.0 के इंवेटों में युवाओं की रचनात्मकता, मेहनत और विचारों को दर्शा रहा है। विवि के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा ही उनका लक्ष्य तय करेगी। विवि के कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने बताया कि कृदय 2.0 वार्षिकोत्सव का मुख्य उद्देश्य छात्रों के कौशल को निखारना, आत्मविश्वास बढ़ाना और युवा कलाकारों को अपनी कला को जनता के सामने प्रस्तुत करने का मंच प्रदान करना है। इन प्रतियोगिताओं से छात्रों का मनोबल बढ़ता है। आर्ट एक्सजीविशन के क्युरेटर हर्षित सोनी ने बताया बीएफए की कई छात्राओं द्वारा 60 से अधिक सर्वश्रेष्ठ पेंटिंग्स को प्रदर्शित किया गया है। इनमें बीएफए की छात्रा शिखा सिंघल, चेतना कुंतल, मोनिका तिवारी, अंजली कुंतल आदि जैसे उभरते कलाकारों का काम आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणामों की जानकारी देते हुए खेल कॉडीनेटर डा. रिंकू कुमार, डा. खुर्शीद आलम, रोहित तिवारी ने बताया कि किक्रेट में यूनीवर्सिटी को हराकर मेडीकल टीम ने जीत हासिल की है जबकि महिला खो-खो मैच में नर्सिंग ने मेडीकल को हरा कर फाइनल में पहुंची है, रस्साकसी में नर्सिंग की टीम तीसरे स्थान पर ही जबकि प्रथम द्वितीय स्थान पर मेडीकल की टीम रही। शुभारंभ अवसर पर मुख्य रूप से अस्पताल के मेडीकल सुप्रीटेंट डा. अभय शूद, सीईओ समीक्षा भारद्वाज, अनिल चतुर्वेदी, डा. प्रशांत, डा. पायल, डा. चेतन, डा. दिनेश, शुभम गुप्ता, रानी, अनीता चौधरी, नीतेश कुमारी सहित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहीं।

बरसाना में बदलते दौर के चलते हाईटेक हुई ढालें ,अब नही बनती चमड़े की ढाल

वेलकम इंडिया

मथुरा/बरसाना। बदलते समय के साथ लठामार रंगीली होली में काम आने वाली ढालों का स्वरूप भी अब बदलने लगा है। युवाओं को लुभाने के लिए ढाल बनाने वालों ने एलईडी और एयरबैग वाली ढालें बनाना शुरू कर दिया है। ये ढालें देखने में सुंदर होने के साथ सुरक्षित हैं, खास बात यह है कि अब इनमें किसी जानवर के चमडे का प्रयोग भी नहीं किया जा रहा है।

कस्बे के ढाल बनाने वाले रमेश सैनी ने नए चलन की ढालों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस बार उसने खास एलईडी ढाल बनाई है। इस ढाल की विशेषता यह होगा और रोशनी कम हो जाएगी इन ढालों की जगमगाहट सबकों लुभाएगी। एक अन्य तरह की ढाल भी रमेश सैनी ने बनाई है जो एयरबैग की तरह होगी। इस ढाल में रबड के एक ट्यूब के अंदर हवा भरी होगी जिसके कारण लाठी की भरपूर चोट का जोर हुरियारे पर नहीं पडेगा और लठ हवा के दबाव से तेजी से पीछे की ओर लौट जाएगा। रमेश सैनी के पिता नन्नूराम सैनी भी ढाल बनाने का काम करते थे। इस वर्ष रमेश को बीस ढाल बनाने का काम मिल चुका है लठामार होली तक यह संख्या और भी बढ सकती है। इस समय ढाल बनाने के लिए पहले की तरह चमडे की प्रयोग नहीं किया जाता है। चमडे के स्थान पर रबड की मोटी चादर का प्रयोग किया जाता है।

एनएसएस के स्वयंसेवकों ने धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण किया

वेलकम इंडिया

मथुरा/गोवर्धन। श्री सिद्धि विनायक महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर में तीसरे दिन स्वयंसेवक छात्र-छात्राओं ने धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण करके जानकारी प्राप्त की। जिसके अंतर्गत छात्रों ने यमुना किनारे स्थित प्राचीन चिंताहरण महादेव मंदिर, ब्रह्मांड घाट, ठकुरानी घाट बल्लभ संप्रदाय, चौरासी खम्बा मन्दिर, नंद भवन, ऊखल बंधन, रमण बिहारी जी मंदिर, रमणरेती आश्रम, कृष्ण भक्त रसखान समाधि, श्री कृष्ण गोकुल मंदिर आदि के दर्शन करके धार्मिक और ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त की। और स्वयंसेवकों ने सभी जगह पर आने वाले तीर्थ यात्रीयों व पर्यटकों को स्वच्छता का संदेश दिया।और स्वच्छता अभियान की समाजिक गतिविधियाँ संचालित कीं। एनएसएस विशेष शिविर के स्वयंसेवक सेविकाओं को महाविद्यालय के उप निदेशक सतीश शर्मा और प्राचार्य अशोक कुमार शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर और शुभकामनाएं देकर बस को रवाना किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी भारत उपाध्याय एडवोकेट ने बताया कि शैक्षिक भ्रमण से स्वयंसेवक विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता है। और हमारी प्राचीन सनातन संस्कृति और धरोहरों से रूबरू होने का मौका मिलता है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, सहयोग, सम्मान तथा धार्मिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास करना है। शिविर के सफल संचालन में महाविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारी भारत उपाध्याय,पीटीआई दिलीप यादव, टीकम सिंह, विष्णुकांत शर्मा, पवन कुमार, जयप्रकाश कुंतल, कुमरपाल सिंह, भानु अग्रवाल, हारून कुरैशी, याचना शर्मा, नीलम, मोनिका भारद्वाज, बुलबुल कौशिक आदि का सहयोग रहा।

वन विभाग के मुकदमे के बाद गिरफ्तार हुआ मोर मारने का आरोपी , प्लास्टिक के कट्टे से मोर का शव बरामद

वेलकम इंडिया

मथुरा/चौमुहां। थाना छाता क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम तरौली जनूनी में राष्ट्रीय पक्षी मोर के शिकार का एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में हरियाणा के फरीदाबाद निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से एक मृत नर मोर बरामद हुआ है, जिसे वह प्लास्टिक के कट्टे में भरकर ले जाने की फिराक में था। जानकारी के अनुसार, घटना 19 फरवरी 2026 की रात करीब 8:00 बजे की है। ग्राम तरौली जनूबी के ग्रामीणों ने एक युवक को संदिग्ध अवस्था में देखा। ग्रामीणों के अनुसार, आरोपी ने डंडे से प्रहार कर पेड़ पर बैठे मोर को मार गिराया था। जब वह मृत मोर को प्लास्टिक के कट्टे में भर रहा था। सूचना मिलते ही वन विभाग बीट प्रभारी प्रताप सिंह पुलिस टीम को लेकर मौके पर पहुंचे। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम विजेंद्र उर्फ बीरेंद्र (25 वर्ष), पुत्र ज्ञान सिंह बताया। वह डबुआ कॉलोनी, थाना डबुआ, जिला फरीदाबाद (हरियाणा) का निवासी बताया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद कट्टे से मोर का शव बरामद किया गया। डीएफओ वेंकटा श्रीकर पटेल ने बताया कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और वन विभाग द्वारा मोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। डीएफओ के निर्देशन में वन रक्षक प्रताप सिंह ने छाता कोतवाली में आरोपी के खिलाफ वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोपी के चेहरे पर चोट के निशान भी मिले हैं, जिसके संबंध में उसने बताया कि भागते समय गिरने के कारण उसे ये चोटें आई। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है। कार्रवाई के दौरान वन दरोगा ओमवीर राघव साथ रहे।

व्यापारियों ने लगवाए आधा दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमर

माल, संवाददाता

माल कस्बे के व्यापार मंडल के द्वारा तीन अलग - अलग स्थानों पर आधा दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाए ।जिसका उद्घाटन शुक्रवार को किया गया। आपको बता दें कि,व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने व्यापारियों के सहयोग से तीन अलग -अलग स्थानों जिसमें यूको बैंक चौराहा, रामदुलारी काशी प्रसाद इंटर कॉलेज गली, विद्धि गांव मोड़ आदि स्थानों पर कुल आठ सीसीटीवी कैमरे लगवाए ।जिसका शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख प्र रामकुमार राही,ग्राम प्रधान आशुतोष चौरसिया,व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपाल गुप्ता व इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने संयुक्त रूप से किया कैमरे लगने से असामाजिक तत्वों से सुरक्षा की दृष्टि से व्यापारियों एवं प्रशासन को सहयोग मिलेगा। इस मौके पर इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने कहा कि व्यापारियों ने मुख्य चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगवाकर पुलिस-प्रशासन को सहयोग किया। मुख्य चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लग जाने से आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगने में मदद मिलेगी।

डीएम की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की समीक्षा बैठक हुई

वेलकम इंडिया

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु समिति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद के औद्योगिक विकास, निवेश प्रोत्साहन तथा उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमियों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में उद्योगों की स्थापना एवं विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। बैठक में विद्युत, प्रदूषण नियंत्रण, बैंकिंग, नगर निगम, लोक निर्माण आदि विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिसपर जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करे। बैठक में लंबित प्रकरणों की प्रगति पर विभागवार चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने निर्देश दिए कि औद्योगिक क्षेत्र में उत्कृष्ट साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें। क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट सुनिश्चित करें। औद्योगिक क्षेत्र में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें तथा सड़कों की नियमित मरम्मत कराए। सुदृढ़ यातायात व्यवस्था हेतु प्रबंधन सुनिश्चित करे। प्रदूषण विभाग नियमित जांच करे तथा उद्यमियों को विभागीय मानकों के अनुसार जागरूक करे। अग्निशमन विभाग सभी उद्यमियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अग्नि से बचाव हेतु प्रशिक्षित करे उद्यमियों ने प्रशासन के समक्ष अपनी समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत किए, जिनके शीघ्र समाधान का आश्वासन जिलाधिकारी द्वारा दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ पूजा गुप्ता, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, उपायुक्त उद्योग चंद्रभान सिंह, परियोजना अधिकारी एसके वर्मा सहित औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रथम पाली व द्वितीय पाली की परीक्षा नौवों परीक्षा केंद्रों पर संपन्न

वेलकम इंडिया

लखनऊ। बुधवार से शुरू हुई हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के बोर्ड परीक्षा के तीसरे दिन शुक्रवार को प्रथम पाली में हाईस्कूल के सामाजिक विज्ञान व द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट का अंग्रेजी का पेपर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच माल के नौवों परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। माल में स्थित रामदुलारी काशी प्रसाद इंटर कॉलेज से प्रथम पाली में हाईस्कूल छात्र राज सैनी, अयान, अभिजीत, अनुराग, तनुश, जयकी, मुकीद,प्रियांशु,अभिषेक,सहित अन्य छात्र छात्राओं ने सामाजिक विज्ञान का पेपर देकर केंद्र से बाहर प्रसन्न होकर निकले ।पूछने पर बताया कि,पेपर सरल आया था ।जिससे पेपर काफी अच्छा हो गया ।परीक्षा में अच्छे अंक आने की पूरी संभावना है ।वहीं,छात्र राज सैनी ने बताया कि,प्रश्नपत्र में सब कुछ याद किया हुआ आया था ।प्रश्न उत्तर तैयार किए हुए पेपर में मिल गए ।फिर, अभिजीत तनुश ने बताया कि पेपर न मिलने से पहले डर लग रहा था,लेकिन पेपर मिलते ही सारा डर खत्म हो गया। अयान, अनुराग, जयकी, मुकीद ने बताया कि,पाठ्यक्रम से ही पूरा पेपर आया ।कोई भी प्रश्न बाहर से नहीं था ।काफी अच्छा हुआ।

वहीं,माल स्थित पी एम श्री वीरांगना उदा देवी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज से द्वितीय पाली में अंग्रेजी की परीक्षा देकर निकले छात्र-छात्राओं का उत्साह देखने को मिला ।अधिकांश विद्यार्थियों ने पेपर को संतोषजनक बताया ।छात्र दीपक द्विवेदी ने परीक्षा को संतोषजनक बताया ।उन्होंने बताया कि सारे प्रश्न सरल थे और हमें हल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। अधिकतर प्रश्न पढ़े हुए आए थे ।जिससे परीक्षा अच्छी हुई ।अब अगले पेपर की तैयारी करूंगा ।वहीं प्रियांश गुप्ता का कहना था कि मैंने अच्छे से परीक्षा दी और उम्मीद है कि अच्छे अंक मिलेंगे। शिवम ने परीक्षा को आसान बताया। उन्होंने बताया कि सभी प्रश्न सिलेबस के अंतर्गत थे और पेपर बहुत अच्छा रहा।

गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में लाखों लोगों का प्यार ,आशीर्वाद और भरोसा आज मेरे साथ है समाजवादी नेता आशुतोष शर्मा

वेलकम इंडिया हरेन्द्र शर्मा

हापुड़ जनपद के गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा की जनता के बीच लोकप्रिय समाजवादी नेता आशुतोष शर्मा गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा के जमीनी मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय है और लगातार काम कर रहे हैं समाजवादी नेता आशुतोष शर्मा ने बताया आज गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में लाखों लोग मुझ पर भरोसा कर रहे हैं और गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा की जनता का विश्वास आज मेरे साथ है समाजवादी नेता आशुतोष शर्मा ने बताया पिछले 10 वर्षों में गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा की जनता के बीच 100 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं जिसमें लाखों लोगों ने हिस्सा लिया है और 25000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित किया गया है आशुतोष शर्मा ने बताया गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में जनता आज अपने बीच का नेता चाहती है और ऐसा नेता चाहती है जो लगातार उनके बीच रहकर कार्य करें हमने पिछले 10 वर्षों में जनता के बीच जाकर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार ,महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में लगातार कार्य किया है यही कारण है आज लाखों लोगों का विश्वास और आशीर्वाद हमारे साथ है समाजवादी नेता आशुतोष शर्मा ने बताया अखिलेश यादव जी के आदेश का इंतजार है अखिलेश यादव जी के आदेश अनुसार गढ़मुक्तेश्वर विधानसभा में 2027 का चुनाव लड़ा जाएगा और जनता के लिए लगातार कार्य किया जाएगा समाजवादी पार्टी इस बार जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले लोगों को टिकट देगी और जनता के बीच रहने वाले व्यक्ति को आगे बढ़ाएगी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी का स्पष्ट निर्देश है

काशी की पंचक्रोशी परिक्रमा सनातन धर्म की आत्मा का प्रतीक - मुकेश शास्त्री

वेलकम इंडिया

वाराणसी :- सनातन धर्म की आध्यात्मिक राजधानी काशी की प्राचीन एवं दिव्य परंपराओं के संरक्षण और पुनर्जीवन के उद्देश्य से अखिल भारत हिन्दू महासभा ने एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान प्रारंभ करने की घोषणा की है संगठन के केंद्रीय पर्यवेक्षक मुकेश शास्त्री ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत काशी की पवित्र पंचक्रोशी परिक्रमा और अंतरगृही यात्रा के संरक्षण,संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार हेतु विशेष योजनाएँ लागू की जाएंगी अपने आधिकारिक वक्तव्य में मुकेश शास्त्री ने कहा कि काशी केवल एक नगर नहीं, बल्कि सनातन धर्म की जीवंत आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है यहाँ की पंचक्रोशी परिक्रमा हजारों वर्षों से चली आ रही एक दिव्य परंपरा है जो काशी की आध्यात्मिक सीमा और भगवान शिव की अनंत कृपा का प्रतीक मानी जाती है उन्होंने बताया कि स्कन्द पुरान के काशी खंड सहित अनेक प्राचीन ग्रंथों में पंचक्रोशी परिक्रमा का विस्तृत वर्णन मिलता है तथा इसे करने वाले श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक फल,पापों से मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है उन्होंने कहा कि पंचक्रोशी परिक्रमा लगभग 80 किलोमीटर की परिधि में स्थित काशी की पारंपरिक सीमा का प्रतिनिधित्व करती है इस परिक्रमा के दौरान श्रद्धालु पाँच प्रमुख पड़ाव कर्दमेश्वर,भीमचंडी,रामेश्वर,शिवपुर और कपिलधारा में रात्रि विश्राम करते हुए भगवान शिव और काशी के विभिन्न स्वरूपों की पूजा-अर्चना करते हैं यह परिक्रमा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है बल्कि काशी की सांस्कृतिक, सामाजिक और ऐतिहासिक विरासत का भी जीवंत उदाहरण हैं मुकेश शास्त्री ने कहा कि वर्तमान समय में पंचक्रोशी परिक्रमा और अंतरगृही यात्रा के अनेक प्राचीन मार्ग,मंदिर एवं धार्मिक स्थल उपेक्षा,अतिक्रमण और जागरूकता की कमी के कारण प्रभावित हो रहे हैं ऐसे में अखिल भारत हिन्दू महासभा ने इन पवित्र मार्गों और स्थलों के संरक्षण, पुनर्स्थापना तथा व्यापक प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया है अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर समितियों का गठन किया जाएगा जो पंचक्रोशी परिक्रमा और अंतरगृही यात्रा के मार्गों,मंदिरों तथा धार्मिक स्थलों का सर्वेक्षण करेंगी इन समितियों का दायित्व प्राचीन धार्मिक स्थलों का संरक्षण,तीर्थ मार्गों का पुनर्जीवन,श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का विकास तथा यात्राओं के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना होगा` महासभा इस अभियान के तहत एक डिजिटल प्लेटफॉर्म और वेबसाइट भी विकसित करेगी जिसमें पंचक्रोशी परिक्रमा और अंतरगृही यात्रा से संबंधित सभी धार्मिक स्थलों,मंदिरों,मार्गों तथा उनके ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी` इससे देश विदेश के श्रद्धालुओं को काशी की इस प्राचीन परंपरा को समझने और उससे जुड़ने का अवसर मिलेगा केंद्रीय पर्यवेक्षक ने स्पष्ट किया कि काशी की धार्मिक और आध्यात्मिक विरासत की रक्षा के लिए अखिल भारत हिन्दू महासभा पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा पवित्र मार्गों या स्थलों को नुकसान पहुँचाने वाले तत्वों के विरुद्ध कानूनी एवं सामाजिक स्तर पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी उन्होंने काशी के संत महात्माओं,धर्माचार्यों,विद्वानों, सामाजिक संगठनों और आम श्रद्धालुओं से इस अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक यात्रा का संरक्षण नहीं,बल्कि सनातन धर्म की हजारों वर्षों पुरानी आध्यात्मिक परंपरा और भारत की सांस्कृतिक पहचान की रक्षा का संकल्प है ।

डीएम की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत वृहद ऋण वितरण कैम्प का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत वृहद ऋण वितरण कैम्प का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। उल्लेखनीय है कि मिशन निदेशक, मिशन कार्यालय, सी0एम0 युवा, लखनऊ द्वारा दिनांक 20.02.2026 को जनपद स्तर पर वृहद ऋण वितरण कैम्प का आयोजन किये जाने का निर्देश दिया गया था। आयोजित ऋण वितरण शिविर में जिलाधिकारी द्वारा कुल 25 लाभार्थियों को धनराशि रूपए 100.00 लाख का डेमो चेक वितरित किया गया। उक्त के अतिरिक्त जनपद स्तर पर कुल 60 लाभार्थियों को धनराशि रूपए 180.00 लाख का ऋण स्वीकृत/वितरण कराया गया।

शिविर को सम्बोधित करते हुये जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि उ0 प्र0 सरकार द्वारा मख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना लागू की गयी है, जिसके अन्तर्गत रूपए 5.00 लाख तक का ऋण 4 साल तक के लिए ब्जाय मुक्त प्रदान किया जाता है। जिलाधिकारी द्वारा जनपद के युवाओं से अपील की गयी कि वे उक्त योजना का अधिक से अधिक लाभ उठायें मुख्य विकास अधिकारी द्वारा लाभार्थियों को पूर्ण मनोयोग के साथ अपना उद्यम संचालित करने हेतु प्रेरित किया गया। उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा ने ऋण वितरण शिविर को सम्बोधित करते हुये कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा बहुत ही अच्छी योजना लागू की गयी है, उद्योग/सेवा क्षेत्र में कार्य के इच्छुक व्यक्ति कार्यालय-उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, मुखलिसपुर रोड, खलीलाबाद में संपर्क कर अपना आवेदन करा सकते है, साथ ही नवाचार परियोजनाओं के क्षेत्र में भी युवाओं को आगे आने हेतु प्रेरित किया गया, तथा मौके पर सुश्री जया राना, सुश्री पुष्पा देवी, सी0एम0 युवा फेलो एवं श्री घनश्याम पाण्डेय, जिला प्रबन्धक (रैम्प) द्वारा पंजीकरण कराया गया एवं प्राप्त समस्याओं का समाधान भी कराया गया। अग्रणी जिला प्रबन्धक द्वारा बैंक शाखा प्रबन्धकों को प्राथमिकता के आधार पर उपरोक्त योजना के ऋण आवेदन को निस्तारित करने हेतु कहा गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त उद्योग सतीश कुमार, जितेन्द्र कुमार गौतम, विशाल श्रीवास्ता0, उद्यमी मित्र, जितेन्द्र कुमार कनिष्ठ सहायक एवं समस्त जिला बैंक समन्वयक/बैंक शाखा प्रबन्धक तथा लाभार्थीगण आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली का तालकोतरा स्टेडियम में लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के अंतर्गत बिहार के विकास रोडमैप ऐतिहासिक समागम का साक्षी बनेगा

एहसान अंसारी

नई दिल्ली: शुक्रवार को दिल्ली के कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में लेट्स इंस्पायर बिहार मुहिम 22 फरवरी को होने वाले भव्य कार्यक्रम प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया।

लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान जो निरंतर विकसित होकर भारत के सबसे गतिशील एंव व्यापक नागरिक नेतृत्व वाले विकास मंचों में से एक बन चुका है। 22 फरवरी 2026 को दिल्ली के तालकोतरा स्टेडियम में बिहार डेवलपमेंट समिट 2026 का आयोजन करने जा रहा है। यह शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय समागम के रूप में परिकल्पित है। जिसका उद्देश्य है 2027 तक विकसित भारत के अंतर्गत विकसित भारत के रूप में हेतु बौद्धिक , विमर्श, संस्थागत सहभागिता, उद्यमशील, तथा, नागरिक नेतृत्व वाली विकसित करना। 22 मार्च 2021 को वरिष्ठ कढर अधिकारी, (2003) बैच के पुलिस महानिरीक्षक बिहार सरकार द्वारा स्थापित। लेट्स इंस्पायर बिहार की संभावनाओं तथा उनकी ऐतिहासिक रूप से सशक्त बौद्धिक, संस्कृति,एंव सभ्यतागत विरासत पर आधारित हैं। यह अभियान 2027 तक विकसित बिहार और फलस्वरूप विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। इसकी दृष्टि यह सुनिश्चित करना है कि , शिक्षा, रोजगार, अथवा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कोई भी व्यक्ति बिहार ना छोड़े। 22 फरवरी को होने वाले भव्य कार्यक्रम में दिल्ली ही नहीं अन्य राज्यों से और विदेशों से भी लोग पहुंच रहे हैं।

एडीजी की प्रेस वार्ता पर सवाल, मीडिया सेल की कार्यशैली कटघरे में

वेलकम इंडिया

लखीमपुर खीरी। जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पहुंचे एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार ने पुलिस लाइन ग्राउंड में पत्रकारों से वार्ता की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ख्याति खरे सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।हालांकि प्रेस वार्ता से पहले ही मीडिया गलियारे में एक अलग चर्चा ने जोर पकड़ लिया। आरोप है कि पुलिस मीडिया सेल प्रभारी ने प्रेस वार्ता की सूचना आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा नहीं की। इसके बजाय चुनिंदा पत्रकारों को व्यक्तिगत फोन कर आमंत्रित किया गया।

कई पत्रकारों को समय रहते जानकारी नहीं मिल सकी, जिससे नाराजगी भी देखने को मिली। सवाल उठ रहा है कि जब मीडिया सेल का आधिकारिक ग्रुप बना हुआ है तो महत्वपूर्ण सूचनाएं वहां क्यों साझा नहीं की जातीं क्या ग्रुप का उपयोग केवल पुलिस के गुडवर्क तक ही सीमित है।बताया जा रहा है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वरिष्ठ अधिकारियों की प्रेस वाताओं में सूचना सीमित दायरे तक पहुंचने की चर्चा रही है। बड़े अधिकारी की मौजूदगी के दौरान सूचना तंत्र को लेकर उठे इन सवालों ने पारदर्शिता और समान सूचना व्यवस्था पर नई बहस छेड़ दी है। अब देखना यह है कि इस मामले में जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं।

तीन ढाबों मालिकों के खिलाफ अवैध तरीके से वाहन खड़ा करवाने पर मुकदमा दर्ज, आठ ट्रकों का चालान

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद कछवारोड़। मिजार्मुराद पुलिस ने गुरुवार की देर रात क्षेत्र में अवैध तरीके से हाइवो पर वाहन खड़ी कराकर ढाबों पर खाना खिलाने के मामले में तीन ढाबों संचालको के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।मिजार्मुराद थाने के कार्यवाहक थानाध्यक्ष अजय तिवारी ने बताया कि अधिकारियों का आदेश है कि किसी भी हालत में ढाबों के सामने हाइवे पर बड़ी या छोटी गाड़िया खड़ी नही होनी चाहिए चुकी हाइवो के किनारे खड़ी हो रही गाड़ियों से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थी उसी क्रम में सभी ढाबों को चेतावनी दिया गया उसके बाद भी चित्रसेनपुर स्थित पहलवान ढाबा के सामने कई बड़ी गाड़िया खड़ी पाई गई और सभी गाड़ी के चालक ढाबा पर मौजूद थे जिसके बाद ढाबा संचालक सूरज कुमार यादव व गुड़िया स्थित एक ढाबा के सामने भी कई वाहन खड़े थे ढाबा संचालक राहुल पाल व तमाचाबाद स्थित गंगा ढाबा के सामने भी कई गाड़िया खड़ी थी जिसपर ढाबा संचालक विजय गौड के खिलाफ कछवारोड चौकी प्रभारी रामचन्द्र यादव के तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया।

राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान व पुस्तक लोकार्पण समारोह 22 को कलानौर में

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली, 20 फरवरी। निराला साहित्यक एवं कला मंच, कलानौर तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में 22 फरवरी को कलानौर में साहित्यकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जाएगा। समारोह में साहित्य, पत्रकारिता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा।

कला मंच के अध्यक्ष डॉ. सत्यवीर सिंह निराला ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि धरा धाम प्रमुख एवं मानद कुलपति, सौहार्द शिरोमणि संत डॉ. सौरभ पांडेय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मदेव विद्यार्थी, निदेशक हरियाणा साहित्य अकादमी, करेंगे। जबकि अति विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. शिवकुमार सिंह (रायबरेली), डॉ. एहसान अहमद (गोरखपुर), एवं बतौर विशिष्ट अतिथि डॉ.शिवनाथ सिंह (रायबरेली), महंत स्वामी रामसुखदास तथा महंत ईश्वर शाह (कलानौर) की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कला मंच के सचिव जगजीत निराला ने बताया कि समारोह में डॉ.सत्यवीर सिंह निराला, (भाई वैर ना करो),पंडित मुल्क राज गाजियाबाद की (अल्फाज - ए- -आकाश),डॉ. त्रिलोक चंद फतेहपुरी फतेहपुरी की(काव्य मंथन),डॉ. फूल कुमार राठी कलानौर की (हरियाणवी गोचनी),डॉ.जय भगवान सिंगला की (रविंद्र नाथ टैगोर 'राजऋषि') पुस्तकों काअतिथियों द्वारा लोकार्पण किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार यह समारोह साहित्यिक सृजन, वैचारिक संवाद और सामाजिक सरोकारों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को मंच पर सम्मानित कर समाज के समक्ष प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए जाएंगे।

जगराम यादव इंटरमीडिएट कॉलेज में दिखी सख़्ती

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा संचालित हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में शुक्रवार को सख़्ती नजर आई। सेमरियावा ब्लाक के जगराम यादव इंटरमीडिएट कॉलेज हुजुरा सुहावा में प्रथम पाली में हाईस्कूल की सामाजिक विज्ञान और द्वितीय पाली में इंटरमीडिएट की अंग्रेजी की परीक्षा के परीक्षार्थियों की सघन तलाशी लेकर प्रवेश की अनुमति दी गई।

शशि भूषण बालिका विद्यालय डिग्री कॉलेज लखनऊ में आयोजित सात दिवसीय महिंद्रा प्राइड क्लास रूम' प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

(संतोष कुमार सिंह)

लखनऊ /वाराणसी :- शशि भूषण बालिका विद्यालय डिग्री कॉलेज लखनऊ में सात दिवसीय 13 फरवरी से 20 फरवरी 2026 तक महिंद्रा प्राइड क्लास रूम' प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापने 20 फरवरी 2026 को नांदी फाउंडेशन के महिंद्रा प्राइड क्लास रूम (टढउ) द्वारा आयोजित सात दिवसीय 'एम्प्लॉयबिलिटी एवं डोमेन स्किल्स' (रोजगारपरकता और कौशल विकास) प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य समापन 20 फरवरी 2026 को यह कार्यक्रम शशि भूषण बालिका विद्यालय डिग्री कॉलेज, 61 गुरु गोविंद सिंह मार्ग,लालकुआं, हुसैनगंज लखनऊ के परिसर में आयोजित किया गयो पिछले सात दिनों से चल रहे इस सघन प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक रोजगार बाजार की चुनौतियों के लिए तैयार करना और उनके व्यावसायिक कौशल को निखारना है महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के माध्यम से छात्राओं को सॉफ्ट स्किल्स, कम्युनिकेशन,इंटरव्यू की तैयारी और डिजिटल साक्षरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षित किया गया है ताकि उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से मुख्यधारा से जोड़ा जा सके समापन सत्र के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किया गया तथा प्रशिक्षकों द्वारा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गयो कार्यक्रम में महाविद्यालय के मैनेजर पंकज भट्टाचार्य,प्राचार्या प्रोफेसर अंजुम इस्लाम,उपप्रचार्या डॉ चंदना बोस,नांदी फाउंडेशन के प्रतिनिधि डॉ सुनित कुमार सोनकर महाविद्यालय की प्रोग्राम समन्वयक प्रोफेसर बिंदु,डॉ सौरभ कुमार मिश्रा एवं एवं सह समन्वयक डॉ अंशुल सिंह,डॉ अनामिका मौर्य एवं वरिष्ठतम शिक्षिका प्रोफेसर मधु चौहान तथा समस्त शिक्षिकाएं और शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहें।

डीएम एसएसपी ने जिला जेल का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर जिलाधिकारी श्रुति, एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का निरीक्षण करते हुए जेल में बंद बंदियों के लिए जेल प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर सीडीओ सुश्री निशा ग्रेवाल जेल अधीक्षक कोमल मंगलानी, जेलर अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

चौराहों पर जमकर हुई अफतारी की खरीदारी

वेलकम इंडिया

संतकबीरनगर। रमजान बरकतों, रहमतों और खुशियों का महीना है। जब यह महीना आता है, तो ऐसा लगता है जैसे आसमान से धरती तक रोशनी की चादर बिछ गई हो। माहौल में एक तरह की शांति होती है। रमजानुल मुबारक महीने के दूसरे दिन जुमा को सेमरियावां दुधारा क्षेत्र की छोटी बड़ी मस्जिदें रोजदार नमाजियों से भरी थी।छोटे बच्चे बड़े बुजुंग बड़ी संख्या में शामिल हुए।नमाज के बाद मुल्क में अमन शांति और तरक्की के लिए सामूहिक दुआएं मांगी गई। नमाज के बाद रोजेदारों ने चौराहों पर जमकर अफ़्तारी के सामान की खरीदारी की।क्षेत्र के सेमरियावां,दुधारा बाघनगर, उसरा शहीद, बिगरा मीर, चिउट्ना, सालेहपुर,दरियाबाद दानुकोईयां आदि स्थानों पर बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज जुमा अकीदत के साथ अदा किया मस्जिदों में माह रमजान की विशेषता एवं महत्व पर तकरीर की गई। आगमन आम महीनों जैसा नहीं होता। बल्कि इसका स्वागत एक रूहानी ईद की तरह किया जाता है। घरों की सफाई, मस्जिदों की रौनक, बाजारों की चहल-पहल और दिलों का हाल सब कुछ बदल जाता है।

रमजान सभी महीनों में एक खास जगह रखता है। इसकी अपनी खासियतें और अपने रूप हैं जो किसी और महीने में नहीं मिलते। यह अकेला ऐसा महीना है जिसका नाम पवित्र कुरान में साफ-साफ बताया गया है, जबकि दूसरे महीनों का नाम लेकर ज़िक्र नहीं किया गया है। नासमझी के जमाने में भी इसे पवित्र और मुबारक माना जाता था, यहाँ तक कि इसे ह्रअल-असमह्र (शांत) भी कहा जाता था, क्योंकि इसमें हथियारों और तलवारों की आवाज नहीं सुनाई देती थी, और लड़ाई-झगड़े से बचा जाता था। यह शांति, प्यार और सुरक्षा का महीना है, और जब लोग शांति, सुरक्षा और आपसी प्यार में होते हैं, तो अच्छाई और बरकतें बहुत ज्यादा होती हैं। यह वह मुबारक महीना है जिसमें कुरान नाज़िल हुआ, जो लोगों के लिए एक गाइडेंस और रहमत है। मुसलमान रमजान से पहले ही इसकी तैयारी शुरू कर देते हैं। घरों में राशन इकट्ठा हो जाता है, चावल, दालें, बेसन, खजूर, शरबत, मसाले और कई तरह की चीजें खरीदी जाती हैं। औरतें किचन साफ करती हैं, बच्चे रमजान के दिन गिनना शुरू कर देते हैं, और मर्द जकात और सदका का हिसाब लगाने में लग जाते हैं; ताकि इस मुबारक महीने में कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे। रमजान की एक खास बात इफ़्तार की मेज। इफ़्तार सिर्फ.पेट भरने के बारे में नहीं है, बल्कि यह प्यार, नफासत और स्वाद का इजहार भी है। रमजान की एक खूबसूरत तस्वीर यह है कि इफ़्तार के समय, पूरा परिवार चारों ओर इकट्ठा होकर अजान की आवाज का इंतजार करता है।

अजान सुनते ही, हाथ बेसब्री से खाने की तरफ बढ़ते हैं और नेक जबानें अल्लाह का नाम लेकर इफ़्तार शुरू कर देती हैं। इफ्तार की सुन्नत खजूर से की जाती है। फिर पकौड़े, समोसे, चना चाट, दही बड़े, फ्रूट चाट, ताजगी देने वाला शरबत या नींबू का शरबत और तरह-तरह के पकवान मेज पर सजते हैं। कुछ इलाकों में हलीम, बिरयानी, निहारी और कबाब भी शामिल होते हैं। मिठाइयों में जलेबी, शेर खुरमा, फालूदा, खीर, गुड़ और केक वगैरह भी मेज पर सजते हैं। इस पल की रूहानियत, साथ और प्यार बयान से परे है।

पुलिस लाइन, रामपुर में वार्षिक निरीक्षण उपरांत समीक्षा गोष्ठी का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया गुलजार आलम

रामपुर। पुलिसउप महानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद द्वारा पुलिस अधीक्षक, रामपुर की उपस्थिति में पुलिस लाइन, रामपुर का वार्षिक निरीक्षण किए जाने के उपरांत समस्त राजपत्रित अधिकारियों, समस्त थाना प्रभारियों, जनपदीय साइबर सेल प्रभारी एवं थाना स्तर पर नियुक्त साइबर सेल प्रभारियों के साथ एक विस्तृत समीक्षा गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी के दौरान श्रीमान पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश महोदय की ₹दृष्टि, सतर्कता, संकल्प₹ की 10 प्रमुख प्राथमिकताओं पर विशेष चर्चा की गई। विशेष रूप से अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने, साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु तकनीकी दक्षता बढ़ाने तथा प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद द्वारा निर्देशित किया गया कि जनपद स्तर पर साइबर अपराध से संबंधित प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर उसका समयबद्ध एवं विधिसम्मत निस्तारण किया जाए। साइबर सेल को आधुनिक उपकरणों एवं तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए डिजिटल साक्ष्यों के संकलन एवं विश्लेषण में दक्षता विकसित करने के निर्देश दिए गए। थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में साइबर जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करें तथा साइबर अपराध की घटनाओं में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। गोष्ठी के अंत में श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद द्वारा स्पष्ट किया गया कि साइबर अपराध वर्तमान समय की एक गंभीर चुनौती है, जिसके प्रभावी नियंत्रण हेतु तकनीकी दक्षता, त्वरित कार्यवाही एवं समन्वित प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

जिलाधिकारी रामपुर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गरीब बच्चों का आयुष्मान कार्ड जारी किया

वेलकम इंडिया गुलजार आलम

रामपुर। जिलाधिकारी रामपुर द्वारा मो आतिफ पुत्र मुनाजिर हुसैन को आयुष्मान कार्ड जारी किया गया जिला अधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी बहुत अच्छे इंसान हैं जनपद रामपुर में गरीबों के मसीहा बनकर आए हैं उनकी जितनी तारीफ की जाए कम है उन्होंने राष्ट्रीय लोकदल और भाजपा गठबंधन के सम्मान को भी बढ़ाया क्योंकि राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव रोहिलखंड प्रभारी मो० उस्मान बबलू इस बच्चे को लेकर जिला अधिकारी रामपुर अजय कुमार द्विवेदी के यहां गए थे जिलाधिकारी रामपुर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए गरीब बच्चों का आयुष्मान कार्ड जारी किया और उसके इलाज में एक मसीहा के रूप में काम आए भगवान ऊपर वाला उनकी लंबी उम्र करें राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव मो उस्मान बबलू ने उनकी जमकर तारीफ की और मो उस्मान बबलू अपने आप को रोक नहीं सके कार्यालय में ही जिला अधिकारी रामपुर जिंदाबाद का नारा लगा दिया जिससे सभी फरियादी खुश हुए इस मौके पर तमाम लोग मौजूद रहे।

रमजान माह के पहले जुमे पर नमाज शांति पूर्वक संपन्न

वेलकम इंडिया

औरंगाबाद/बुलंदशहर। पवित्र रमजान माह के पहले जुमे पर नमाज शांति पूर्वक संपन्न हुई। स्टेट हाइवे स्थित जामा मस्जिद में हजारों नमाजियों ने जुमे की नमाज पढ़ी। जामा मस्जिद के पेश इमाम कारी शेर मौहम्मद ने जुमे की नमाज पढ़ाई। अपने खुतबे में कारी साहब ने कहा कि रोजा रखने वाले लोगों को गरीबों की भरपूर इमदाद करनी चाहिए। किसी जरूरतमंद कमजोर की मदद अल्लाह की सबसे बड़ी खिदमत है। इस अवसर पर मुल्क और कौम की तरक्की अमन चैन और खुशहाली के लिए दुआ की गई। कस्बे और आसपास के देहात में भी सभी मस्जिदों में रमजान माह के पहले जुमे पर नमाज अदा की गई।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा वॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन

वेलकम इंडिया : नितिन शर्मा

बिजनौर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेरठ प्रांत जिला बिजनौर इकाई हल्दौर द्वारा नगर खेल कुंभ के माध्यम से वॉलीबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया गया जिसमें अनेकों कॉलेज ने प्रतिभा किया। जिसमें हल्दौर ग्रुप आफ कॉलेज प्रथम रहा। इस अवसर पर प्रांत से सह संगठन मंत्री अनुज श्रीवास्तव, विभाग संगठन मंत्री सिद्धार्थ उपाध्याय, प्रांत सह मंत्री हनी अहलावत, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य अनमोल चौधरी व जिला सोशल मीडिया संयोजक अभय प्रताप सिंह व कॉलेज अध्यक्ष सोनिया रानी आदि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता रहे साथी विजेता टीम को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया व उनके उज्जवल भविष्य की लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

साइबर क्राइम सेल आगरा ने बचाए 98,000/-: फ्रॉड के शिकार हुए शिकायतकर्ता को वापस मिली पूरी रकम

आगरा से संवाददाता मयूर खान

आगरा में पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट आगरा के निर्देशन में साइबर क्राइम सेल ने एक बार फिर अपनी त्वरित और प्रभावी कार्यवाही से शिकायतकर्ता अतुल कुमार पाठक के साथ हुए ?98,000/- के फ्रॉड को सुलझाया और पूरी धनराशि वापस कराई। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता के साथ जालसाजों ने बैंककर्मी बनकर क्रेडिट कार्ड पीओपी रिडीम के नाम पर मोबाइल हैक कर ?98,000/- का फ्रॉड किया था। साइबर क्राइम सेल, आगरा ने तत्काल संज्ञान लेते हुए उ0नि0 सुधीर कुमार गौतम के नेतृत्व में सम्बन्धित बैंकों से सम्पर्क कर संदिग्ध खातों को फ्रीज/कैन्सल किया और सम्पूर्ण धनराशि शिकायतकर्ता के खाते में वापस करायी। शिकायतकर्ता ने साइबर क्राइम सेल की कार्यशैली और तत्परता की भूरि-भूरी प्रशंसा करते हुए आगरा पुलिस का आभार व्यक्त किया।

ज्योति स्वरूप की कृति विचारों की भागीरथी का लोकार्पण 22 को

डॉ. शंभु पंवार

नई दिल्ली। 20 फरवरी।स्नेह चैरिटेबल सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में दिल्ली पुलिस के उप निरीक्षक, लेखक एवं साहित्यकार ज्योति स्वरूप गौड की नवीन कृति विचारों की भागीरथी का भव्य लोकार्पण समारोह 22 फरवरी को आईटीओ स्थित हिंदी भवन के सभागार में आयोजित किया जाएगा। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त साहित्यकार डॉ. सविता चड्ढा करेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में ऋषि कुमार शर्मा, पूर्व उप सचिव हिंदी साहित्य अकादमी, उपस्थित रहेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के तौर पर वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, अंतरराष्ट्रीय लेखक-पत्रकार एवं विचारक डॉ. शंभु पवार, तथा साहित्यकार डॉ. सुधा शर्मा, अमोद कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की गरिमा बढ़ाएंगे। कार्यक्रम का सुस्पष्ट एवं प्रभावी संचालन कवयित्री डॉ. वर्षा सिंह द्वारा किया जाएगा।

आगरा ट्रैफिक पुलिस ने छात्राओं को सड़क सुरक्षा के बारे में किया जागरूक

आगरा से संवाददाता मयूर खान

जनपद आगरा:-डीसीपी ट्रैफिक आगरा सोनम कुमार के निर्देशन में आगरा ट्रैफिक पुलिस द्वारा श्रीमती बी.डी. जैन गर्ल्स डिग्री कॉलेज आगरा छावनी की छात्राओं को सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा के विषय में जागरूक किया गया। यातायात नियमों और संकेतों के बारे में पंपलेट वितरित कर जानकारी दी गई और शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर छात्राओं को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया गया और उन्हें यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। छात्राओं ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और सड़क सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझा। आगरा ट्रैफिक पुलिस की यह पहल सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आगरा पुलिस ने नवयुवकों को अवैध गतिविधियों से बचने के लिए किया जागरूक

आगरा से संवाददाता मयूर खान

आगरा: में पुलिस आयुक्त दीपक कुमार कमिश्नरेट आगरा व अपर पुलिस आयुक्त रामबदन सिंह के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन कमिश्नरेट आगरा अभिषेक अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में सहायक पुलिस आयुक्त पिनाहट गिरीश कुमार सिंह व सहायक पुलिस आयुक्त बाह हरे कृष्ण शर्मा द्वारा अन्य जनपदों/राज्यों में अवैध गतिविधियों में संलिप्त नवयुवकों को अपराध न करने के लिये सचेत करते हुये ग्राम झोरियान व ग्राम जजार में संभ्रात व्यक्तियों/वर्चुअल स्वयंसेवियों के साथ संवाद कार्यक्रम किया गया। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार को दीपक कुमार पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा व रामबदन सिंह अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट आगरा के निर्देशन में, अभिषेक अग्रवाल पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन कमिश्नरेट आगरा के कुशल नेतृत्व में गिरीश कुमार सिंह सहायक पुलिस आयुक्त पिनाहट व हरे कृष्ण शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त बाह द्वारा अन्य जनपदों/राज्यों में अवैध गतिविधियों में संलिप्त नवयुवकों को अपराध न करने के लिये सचेत करते हुये ग्राम झोरियान व ग्राम जजार में संभ्रात व्यक्तियों/वर्चुअल स्वयंसेवियों के साथ संवाद कार्यक्रम किया गया। जिस दौरान मनोज कुमार थाना प्रभारी पिनाहट, सत्यदेव शर्मा थाना प्रभारी बाह मौजूद रहे। विगत कुछ दिनों में थाना बाह क्षेत्रान्तर्गत नवयुवकों द्वारा नौकरी करने हेतु अन्य जनपदों/राज्यों में जाकर अवैध गतिविधियों में संलिप्त होकर संगठित अपराध में शामिल रहे। इसी सम्बन्ध में ग्राम झोरियान व ग्राम जजार में संभ्रात व्यक्तियों, वर्चुअल स्वयंसेवियों, गाँव के बुजुर्गों व सभी अभिभावकों के साथ ग्राम के नवयुवको को अवैध गतिविधियों में शामिल न होने के लिये ग्राम संवाद किया गया।

वांछित और इनामी शातिर अभियुक्त को थाना चोला पुलिस ने दिल्ली से किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुलन्दशहर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित और 20 हजार रुपये के इनामी शातिर अभियुक्त जाकिर को थाना चोला पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में की गई कार्रवाई में गिरफ्तार अभियुक्त थाना चोला पर दर्ज मुअसं-255/2025 धारा 2/3 गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का पुरस्कार घोषित था। पुलिस के अनुसार आरोपी का विभिन्न थानों में चोरी व अन्य संगीन धाराओं में आपराधिक इतिहास रहा है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक बलराम सिंह सहित थाना चोला पुलिस टीम की अहम भूमिका रही।

बसंत कालीन बुवाई की तैयारियो एवं बिकास गतिविधिओ का जमीनी हकीकत को परखा

वेलकम इंडिया : नितिन शर्मा

नूरपुर। चीनी बिंदल पेपर्स शुगर मिल्स, चांगीपुर सोसाइटी नूरपुर परिक्षेत्र मे ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक विश्वामित्र पाठक द्वारा बसंत कालीन बुवाई की तैयारियो, एवं बिकास गतिविधिओ का जमीनी हकीकत की परखा। सर्वप्रथम ग्राम शाहपुर खेड़ी मे एक कृषक गोष्ठी की गयी। गोष्ठी मे कृषको को उन्नतिशील प्रजातियों, जैसे ङ्क्र13235, ङ्क्र 17231, ङ्क्र18231, ङ्क्र 19231, ङ्क0118, ङ्कह्य16202, ङ्कह्य14201, ङ्क9801 (जलभराव वाले स्थानों, मे बुवाई की सलाह दिया. सही कृषको को बुवाई मे त्रिकोडेर्मा का प्रयोग के लिए प्रेरित किया एवं आय दुगनी हेतु पंचामृत खेती, ट्रेंच प्लांटिंग, सहफसली, ड्रिप इरीगेशन, पेड़ी प्रबंध, एवं अवशेष प्रबंधन आदि विधियों को अपनाने की सलाह दिया।

गोष्ठी मे चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक इन्द्रवीर सिंह ने मिल द्वारा दी जानेवाली सुविधाओं के बिषय मे अवगत कराया। गोष्ठी पश्चात ग्राम बसेड़ा तगा मे पेड़ी प्रबंध मे आर एम डी का प्रयोग राजेंद्र सिंह के प्लाट पर देखा। यह यंत्रिकरण को बढ़ावा देने का रखा उदाहरण हैं। इसी ग्राम मे शरद कालीन गन्ने के साथ सरसो का प्लाट देखा जो कृषक द्वारा अपनी आय दुगुनी करने की एक मजबूत पहल हैं।

इसी क्रम मे समिति गोदामों पर कृषि निवेश की उपलब्धता को देखने हेतु खाद गोदाम सैदपुर का निरीक्षण किया। गोदाम पर भौतिक स्टाफ, कृषि निवेश एप्प, रॅह्य एवं पॉस मशीन से समान मिला। स्टोर प्रभारी को बसंत कालीन बुवाई के सभी कृषि उत्पाद पर्याप्त मात्रा मे रखने के निर्देश दिया।

गन्ना बीज बदलाव मे महिला समूह की भूमिका को देखते हुए ग्राम इसापुर मे महिला समूह द्वारा सीडलिंग प्रीपेरेशन कार्य को देखा, महिला समूह द्वारा ङ्क्र 18231, ङ्क 13235, ङ्क0118 प्रजाति की नर्सरी लगायी जा रही हैं। अंत मे चीनी मिल द्वारा कृषको को दिए जा रहे कृषि यन्त्र सब्सयलर, ऑटोमैटिक ट्रेच प्लांटर मशीन, पॉवर स्प्रेयर एवं ट्रेंच रेजर का वितरण उपाध्यक्ष गन्ना जितेन्द्र मलिक, पाठक एवं इन्द्रवीर सिंह द्वारा कृषकों को किया गया।

दहेज की मांग को लेकर विवाहिता ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

वेलकम इंडिया

कांधला। संवादाता मोहसिन रहमानी कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने नामजद तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। कस्बे के मोहल्ला खेल निवासी फातिमा ने बताया कि उसकी शादी लगभग ढाई वर्ष पूर्व गांव लुहारी निवासी आशु पुत्र इरफान के साथ हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के शुरूआती दिनों में सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन कुछ समय बाद पति ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। आरोप है कि पति द्वारा दहेज में मोटरसाइकिल की मांग की जाने लगी और मांग पूरी न होने पर उसके साथ बेल्ट से मारपीट की जाती थी।पीड़िता ने बताया कि करीब चार माह पूर्व पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और उसे घर से निकाल दिया। तभी से वह अपने मायके में रह रही है। विवाहिता का यह भी आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग लगातार फोन पर गाली-गलौज कर रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि आए दिन आरोपियों द्वारा किए गए शोषण से पीड़िता व उसके परिवार की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।महिला ने आरोपी पति सहित ससुराल के लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित महिला को कार्रवाई का आश्वासन देते हुए जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

ट्रक की चपेट में आई बाइक, नंबर प्लेट टूटने पर महिला का हंगामा

वेलकम इंडिया

कांधला। संवादाता मोहसिन रहमानी कस्बे के गंगेरू बस स्टैंड पर शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक ट्रक ने एक बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक सवार दंपत्ति बाल-बाल बच गए, लेकिन बाइक की नंबर प्लेट क्षतिग्रस्त हो गई। नंबर प्लेट टूटने से आक्रोशित महिला ने मौके पर ही जमकर हंगामा कर दिया, जिससे गंगेरू मार्ग पर काफी देर तक यातायात प्रभावित रहा।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक पर एक पुरुष और महिला सवार थे, जो किसी कार्य से गंगेरू की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर डगमगा गई, हालांकि चालक ने संभाल लिया और बड़ा हादसा टल गया। हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई, लेकिन बाइक की नंबर प्लेट टूटकर सड़क पर गिर गई।नंबर प्लेट टूटने पर महिला का गुस्सा फूट पड़ा। महिला ने पास में पड़ी ईंट उठा ली और ट्रक चालक को ललकारते हुए बीच सड़क पर खड़ी हो गई। महिला के आक्रोशित तेवर देख आसपास लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ देर तक सड़क पर तीखी नोकझोंक चलती रही। महिला द्वारा सड़क के बीचोंबीच खड़े हो जाने से गंगेरू मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और जाम की स्थिति बन गई। सूचना पर आसपास के दुकानदार और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को समझा-बुझाकर शांत कराया और मामले को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने का प्रयास किया। काफी समझाइश के बाद महिला शांत हुई और ट्रक चालक भी मौके से हट गया।मामला काफी देर तक चर्चा मे बना रहा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण बन्धुओं की बैठक हुई संपन्न

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रुति की अध्यक्षता में जिला सैनिक कल्याण बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। जनपद के पूर्व सैनिक बन्धु व पूर्व सैनिकों के परिजनों द्वारा गत माह की बैठक में 14 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए थे जिसकी क्रमवार समीक्षा की गई, जिसमे समस्त प्रार्थना पत्रों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कर दिया गया। इसी क्रम में आज जनपद के पूर्व सैनिक बन्धु व पूर्व सैनिकों के परिजनों द्वारा 16 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं। बैठक में जिलाधिकारी श्रुति ने जनपद के पूर्व सैनिकों / आश्रितों की समस्याऐं सुनी और प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व शीघ्र करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण जिस अधिकारी द्वारा किया गया है वह अधिकारी निस्तारण सम्बन्धी प्रपत्र लेकर अगली बैठक में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करे। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) प्रमोद कुमार पाण्डेय, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी अनिल कुमार शर्मा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

274 छापे, 254 नमूने फेल, 47.10 लाख का अर्थदंड

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर। कलैक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी श्रुति की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद में चल रही प्रवर्तन कार्यवाहियों, सैंपलिंग और न्यायालय में दायर वादों की विस्तार से समी क्षा की गई। डीओ फूड ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में माह जनवरी 2026 तक खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा जनपद में 274 छापेमारी की गई, जिनके दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों के 624 नमूने लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। अब तक प्राप्त 432 जांच रिपोर्टों में से 254 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। मानक विहीन पाए गए नमूनों पर कार्रवाई करते हुए जनवरी 2026 तक कुल 230 परिवाद न्याय निर्णायक अधिकारी न्यायालय, बुलंदशहर तथा 65 परिवाद न्यायिक न्यायालय में दाखिल किए गए। न्याय निर्णयन अधिकारी द्वारा 130 परिवादों में विभिन्न खाद्य कारोबारियों पर कुल 47,10,000 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

इसके अतिरिक्त न्यायिक न्यायालय द्वारा एक प्रकरण में अभियुक्त को 6 माह का कारावास व 1,000 रुपये का अर्थदंड सुनाया गया, जबकि अन्य प्रकरणों में टीआरसी के साथ 1,000 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी व खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षणों, छापों, सैंपलिंग और दायर वादों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आगामी त्यौहारों को देखते हुए विशेष अभियान चलाकर खाद्य पदार्थों की सघन सैंपलिंग करने के निर्देश दिए गए। खासतौर पर दूध और पनीर पर विशेष निगरानी रखने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई के नाम पर किसी का शोषण न हो। प्रवर्तन मुख्य रूप से निर्माण इकाई वाले बड़े प्रतिष्ठानों पर केंद्रित किया जाए तथा छोटे दुकानदारों पर आवश्यक होने पर ही कार्रवाई की जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) प्रमोद कुमार पांडेय, सहायक आयुक्त (खाद्य) विनीत कुमार सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मीना मंच के अंतर्गत प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 कार्यक्रम में मनु छात्रा का मंडल स्तर पर चयन

खुर्जा। संविलियन विद्यालय फराना की कक्षा 7 की मनु छात्रा ने मीना मंच के अंतर्गत संचालित प्रगति, स्वाभिमान और सफलता की ओर 2.0 कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मंडल स्तर पर अपना स्थान बनाया है। यह उपलब्धि विद्यालय एवं क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ लक्ष्मीकांत पांडे द्वारा छात्रा को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और यह उपलब्धि अन्य छात्राओं को भी प्रेरित करेगी। विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं शिक्षकों ने छात्रा की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उसे बधाई दी तथा भविष्य में और ऊँचाइयाँ प्राप्त करने की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर धनेश राघव, सूरजपाल सैनी, विवेक कुमार गोस्वामी आदि लोग सम्मिलित रहे।

अवैध चाकू के साथ युवक गिरफ्तार, पुलिस ने किया चालान

वेलकम इंडिया

कांधला। संवादाता मोहसिन रहमानी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गश्त के दौरान एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया।उपनिरीक्षक सुनील दत्त पुलिस टीम के साथ कैराना मार्ग पर एक स्कूल के निकट सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस को एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया, जो पुलिस को देखते ही भागने लगा। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर उसे दबोच लिया।तलाशी लेने पर युवक के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आबाद बैग निवासी मोहल्ला खेल, कांधला बताया।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर शुक्रवार को न्यायालय के समक्ष पेश करते हुए चालान कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार अभियान जारी रहेगा।

विद्युत कर्मी से गाली-गलौज व मारपीट का प्रयास, सरकारी कार्य में बाधा का आरोप

वेलकम इंडिया

कांधला। संवादाता मोहसिन रहमानी थाना क्षेत्र के गांव डूंडूखेड़ा में विद्युत विभाग के कर्मचारियों और ग्रामीणों के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला बिजली घर पर तैनात एक विद्युत कर्मी ने गांव के एक व्यक्ति पर गाली-गलौज, मारपीट का प्रयास करने तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विकासखंड क्षेत्र के गांव डूंडूखेड़ा स्थित बिजली घर पर तैनात अवर अभियंता सत्यप्रकाश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विभाग का लाइनमैन निजाम गांव में एक विद्युत पोल पर चढ़कर खराब सर्विस लाइन को ठीक कर रहा था। इसी दौरान गांव का एक व्यक्ति मौके पर पहुंच गया और लाइनमैन के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी।आरोप है कि उक्त ग्रामीण ने लाइनमैन को पोल से नीचे उतरने के लिए दबाव बनाया और नीचे आते ही उसके साथ मारपीट करने का प्रयास किया। इतना ही नहीं, उसने सरकारी कार्य में भी बाधा उत्पन्न की, जिससे मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ। घटना के बाद अवर अभियंता और लाइनमैन ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। गौरतलब है कि लगभग एक सप्ताह पूर्व भी ग्रामीणों और विद्युत विभाग के बीच मारपीट हुई थी और कई दिन पूर्व भाजपा नेता का भी विद्युत कर्मियों के साथ बहस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

बैंक का लॉकर तोड़कर जेवरात हेराफेरी का आरोप

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर : पंजाब नेशनल बैंक की पहासू शाखा में लॉकर प्रकरण को लेकर एक उपभोक्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। प्रार्थी का आरोप है कि बिना वैध नोटिस दिए लॉकर तोड़ा गया, वर्षों तक तथ्य छिपाए गए और बाद में जेवरात व सामान लौटाने में टालमटोल की गई। पहासू क्षेत्र के गांव अटेरना निवासी निरंजन प्रसाद शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने 08 फरवरी 2018 को पत्नी के साथ संयुक्त रूप से लॉकर लिया था, जिसमें सोने-चांदी के आभूषण, पारिवारिक कपड़े तथा 25 हजार रुपये की एफडी रखी गई थी। 06 मार्च 2025 को बेटी की शादी के सिलसिले में लॉकर खोलने पहुंचे तो बैंक ने किराया बकाया बताकर मना कर दिया। कई बार लिखित प्रार्थना देने के बावजूद स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। प्रार्थी के अनुसार 15 मई 2025 को आरटीआई के माध्यम से 12 जून 2025 को मिली सूचना में पता चला कि 07 जुलाई 2021 को ही लॉकर तोड़ा जा चुका था, जिसकी पूर्व सूचना उन्हें नहीं दी गई। 17 जुलाई 2025 को शाखा में जाने पर दबाव व धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। डायल-112 पर सूचना देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने की बात कही गई है। शिकायत में निष्पक्ष जांच, बैंक के स्ट्रॉन्ग रूम व सीसीटीवी रिकॉर्ड सुरक्षित कराने और दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

जिला जज डीएम एसएसपी ने संयुक्त रूप से राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया

बुलंदशहर जिला जज संजय सिंह, जिलाधिकारी श्रुति वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया। कारागार को चारों ओर से कवर कराए जाने के लिए कराई जा रही चारदीवारी के निर्माण कार्यों का भी जायजा लिया। इस अवसर पर सीडीओ सुश्री निशा ग्रेवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील कुमार त्रिपाठी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बुलंदशहर के सचिव विकास चौधरी प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड निवेदिता सिंह (प्रथम) जेल अधीक्षक रमेश यादव उपस्थित रहे।

शिक्षण संस्थानों में फूहड़ मनोरंजन : शिक्षा और मयार्दा पर बढ़ता राष्ट्रीय प्रश्न

प्रियंका सौरभ

विद्यालय किसी भी राष्ट्र की आत्मा का निर्माण करते हैं। यही वे स्थान हैं जहाँ से समाज की दिशा तय होती है और आने वाली पीढ़ियों के विचार, मूल्य तथा व्यवहार गढ़े जाते हैं। एक सभ्य समाज की पहचान उसके विद्यालयों से होती है, क्योंकि यहीं बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान ही नहीं, बल्कि अनुशासन, नैतिकता, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का बोध कराया जाता है। ऐसे में यदि विद्यालय परिसरों में अशोभनीय गीतों पर नृत्य, फूहड़ मनोरंजन और मयार्दा-विहीन प्रस्तुतियाँ सामने आती हैं, तो यह केवल किसी एक संस्था की चूक नहीं, बल्कि पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे दृश्य सामने आए हैं, जहाँ विद्यालयों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान ऐसे गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिनका शिक्षा और संस्कार से कोई संबंध नहीं है। ये घटनाएँ यह सोचने पर मजबूर करती हैं कि क्या हम विद्यालयों को भी उसी बाजारू संस्कृति के हवाले कर रहे हैं, जिसने मनोरंजन को मयार्दा से ऊपर रख दिया है? क्या बच्चों की मासूम मानसिकता को हम अनजाने में ऐसे प्रभावों के हवाले कर रहे हैं, जिनका दीर्घकालिक असर उनके चरित्र और सोच पर पड़ सकता है? आज यह सत्य है कि डीजे संस्कृति, सोशल मीडिया और त्वरित लोकप्रियता की दौड़ ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है। गीतों और मनोरंजन की भाषा बदली है, प्रस्तुति का स्तर बदला है और ह्यवायरलह्न होने की होड़ ने विवेक को पीछे छोड़ दिया है। लेकिन विद्यालय कोई सार्वजनिक मंच या मनोरंजन स्थल नहीं है। यह वह स्थान है जहाँ बच्चों को यह सिखाया जाना चाहिए कि क्या उचित है और क्या अनुचित, क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। यदि विद्यालय ही इस भेद को मिटाने लगें, तो बच्चों के मन में नैतिक सीमाओं की समझ कैसे विकसित होगी? इस पूरे प्रश्न का एक पक्ष यह भी है कि कई बार ऐसे कार्यक्रमों में बाहरी डीजे या आयोजनकताओं की भूमिका होती है। संभव है कि किसी विद्यालय में ऐसा संगीत बिना पूर्व योजना के बज गया हो या बच्चों ने उत्साह में कोई अनुचित गीत चुन लिया हो। परंतु ऐसे हर परिदृश्य में सबसे बड़ी जिम्मेदारी विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों की होती है। शिक्षक केवल पाठ्यपुस्तक पढ़ाने वाले कर्मचारी नहीं होते; वे आदर्श, अनुशासन और मयार्दा के जीवंत उदाहरण होते हैं। उनकी चुप्पी या लापरवाही बच्चों के लिए मौन स्वीकृति बन जाती है। विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों की रचनात्मकता को सकारात्मक दिशा देना होता है। नृत्य, संगीत और नाटक बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं, उनकी प्रतिभा को मंच देते हैं और उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ते हैं। लेकिन जब यही मंच फूहड़ता का माध्यम बन जाए, तो उसका उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकनृत्य, देशभक्ति गीत, शास्त्रीय या सुगम संगीत, प्रेरक नाटक—ये सब न केवल मनोरंजन करते हैं, बल्कि बच्चों को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। इसके विपरीत, अश्लीलता आधारित प्रस्तुतियाँ केवल क्षणिक तालियाँ तो बटोर सकती हैं, पर वे किसी भी तरह से बच्चों के व्यक्तित्व को समृद्ध नहीं करतीं। यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि समाज और अभिभावकों की भूमिका क्या है। आज कई बार अभिभावक भी विद्यालयों से केवल परिणाम और प्रतियोगिता की अपेक्षा रखते हैं, जबकि मूल्य-आधारित शिक्षा पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। यदि किसी विद्यालय में ऐसी घटनाएँ होती हैं, तो केवल शिक्षकों या प्रशासन को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं। समाज को भी यह तय करना होगा कि वह अपने बच्चों को किस तरह का वातावरण देना चाहता है। क्या हम चाहते हैं कि विद्यालय भी उसी संस्कृति को अपनाएँ, जो टीवी और मोबाइल स्क्रीन पर परोसी जा रही है, या हम उनसे कुछ बेहतर, कुछ अधिक जिम्मेदार अपेक्षा रखते हैं? दूसरी ओर, यह भी आवश्यक है कि हर घटना पर प्रतिक्रिया संतुलित हो। किसी एक चूक के आधार पर पूरे शिक्षक समुदाय को कठघरे में खड़ा करना या कठोर दंड की माँग करना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। शिक्षक भी इंसान हैं और उनसे भी भूल हो सकती है। यदि कोई घटना पहली बार हुई है और उसमें दुर्भावना नहीं थी, तो सुधारात्मक चेतावनी, स्पष्ट दिशा-निर्देश और संवेदनशील प्रशिक्षण अधिक प्रभावी हो सकता है। लेकिन यदि ऐसी गतिविधियाँ बार-बार हों, या जानबूझकर मयार्दा को तोड़ा जाए, तो सख्त कार्रवाई भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि अनुशासन की मयार्दा बनी रहे। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में विद्यालयों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए स्पष्ट और एकरूप दिशा-निर्देश हों। ये दिशा-निर्देश केवल कागजों तक सीमित न रहें, बल्कि उनका ईमानदारी से पालन हो। कार्यक्रमों की पूर्व स्वीकृति, गीतों और प्रस्तुतियों की समीक्षा, वेशभूषा की मयार्दा और मंच संचालन की जिम्मेदारी—इन सभी बिंदुओं पर स्पष्ट नियम होने चाहिए। साथ ही शिक्षकों के लिए नियमित प्रशिक्षण भी आवश्यक है, ताकि वे बदलते सामाजिक प्रभावों को समझते हुए बच्चों को सही मार्गदर्शन दे सकें। यह भी ध्यान देने योग्य है कि नैतिकता और संस्कृति का अर्थ कठोरता या रचनात्मकता का दमन नहीं है। बच्चों को आधुनिकता से काटना समाधान नहीं, बल्कि उन्हें विवेक के साथ आधुनिकता को अपनाना सिखाना अधिक आवश्यक है। विद्यालयों को ऐसा वातावरण बनाना चाहिए, जहाँ बच्चे खुलकर अपनी प्रतिभा दिखा सकें, पर साथ ही यह भी समझें कि हर मंच की अपनी मयार्दा होती है। स्वतंत्रता और अनुशासन का संतुलन ही स्वस्थ शिक्षा व्यवस्था की पहचान है। यदि हम व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो यह मुद्दा केवल विद्यालयों तक सीमित नहीं है। यह उस सामाजिक दिशा का प्रतिबिंब है, जिसमें हम आगे बढ़ रहे हैं। जब समाज में फूहड़ता सामान्य होती जाती है, तो उसका असर संस्थानों पर भी पड़ता है। इसलिए इस समस्या का समाधान केवल नियमों से नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना से भी जुड़ा है। मीडिया, मनोरंजन उद्योग और डिजिटल प्लेटफॉर्म—सभी की जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों और युवाओं के लिए जिम्मेदार सामग्री प्रस्तुत करें। भारत जैसे विविधता और सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध देश में विद्यालयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यहाँ की शिक्षा व्यवस्था केवल रोजगार सृजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक निरंतरता और लोकतांत्रिक मूल्यों की वाहक है। यदि विद्यालयों में ही मयार्दा और संस्कार कमजोर पड़ने लगें, तो इसका असर केवल कुछ कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि धीरे-धीरे समाज के ताने-बाने को भी प्रभावित करेगा। अंततः, यह आवश्यक है कि हम इस विषय को न तो अतिशयोक्ति में बदलें और न ही हल्के में लें। यह समय आत्ममंथन का है—शिक्षकों के लिए, प्रशासन के लिए, अभिभावकों के लिए और समाज के लिए।

दिल्ली पब्लिक स्कूल मोदीनगर ई कचरा प्रबंधन हेतु जनजागरूकता रैली का आयोजन

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। दिल्ली पब्लिक स्कूल मोदीनगर द्वारा इलेक्ट्रॉनिक कचरे (ईझ्कचरा) के समुचित प्रबंधन एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से एक जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। यह रैली एन एच 58 स्थित अंशल सुशांत सिटी मेरठ में आयोजित की गई। रैली में कक्षा 3 से लेकर कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया । रैली का नेतृत्व विद्यालय के हेडमास्टर श्री अंकित गालयान ने किया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने हाथों में आकर्षक पोस्टर एवं तख्तियाँ लेकर समाज को ईझ्कचरे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। विद्यार्थियों द्वारा ह्लईझ्कचरा कम करेंह्व, ह्लपुनः उपयोग अपनाएँह्व, ह्लपुनर्चक्रण से पर्यावरण बचाएँह्व तथा ह्लपर्यावरण की रक्षा, भविष्य की सुरक्षाह्व जैसे प्रभावशाली नारों के माध्यम से जनमानस को जागरूक किया गया। विशेष रूप से, विद्यार्थियों द्वारा जनजागरूकता के उद्देश्य से एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया गया। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि इलेक्ट्रॉनिक कचरे को लापरवाही से फेंकना पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है। बच्चों के सशक्त अभिनय और सारगर्भित संवादों ने उपस्थित नागरिकों को गहराई से प्रभावित किया तथा उन्हें ईझ्कचरे के उचित प्रबंधन के लिए प्रेरित किया। वहाँ के निवासियों ने इस कार्यक्रम में पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग किया । इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण श्रीमति मुकेश चौधरी, सागर शर्मा के साथ अन्य शिक्षक भी उपस्थिति रहे। सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपयोगी हो जाने पर उन्हें इधर-उधर फेंकने के स्थान पर उचित पुनर्चक्रण प्रक्रिया अपनाना आवश्यक है। विद्यालय की ट्रस्टी श्रीमती अनीशा गांधी ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषण कम होगा, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी संभव होगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ ज्योति सिरोही ने इसे सामाजिक उत्तरदायित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। रैली के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अनुपयोगी हो जाने पर उन्हें इधर-उधर फेंकने के स्थान पर उचित पुनर्चक्रण प्रक्रिया अपनाना अत्यंत आवश्यक है। यह रैली विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता एवं सामाजिक जागरूकता का प्रेरणादायी उदाहरण सिद्ध हुई।

गन्ना सहफसली खेती मिशन के उद्देश्यों को लेकर किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

वेलकम इंडिया

मुरादनगर,(अनिल वशिष्ठ)। मुरादनगर के कृषि विज्ञान केंद्र पर गन्ना सहफसली खेती मिशन के उद्देश्यो को लेकर किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार ने किसानों को गन्ने से आए बढ़ाने के लिए सह फसल के रूप में उड़द एवं मूंग जैसी दलन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित किया । साथ की गन्ना कृषि वैज्ञानिक चंद्रपाल गुप्ता में गन्ने की बुवाई विधि बताई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने गन्ने की फसल की दूरी कीट एवं रोग प्रबंधन तथा प्रजातियों की जानकारी दी । सहायक विकास अधिकारी कृषि हरवीर कसाना ने कृषि विविधीकरण तथा प्राकृतिक खेती की जानकारी दी। डॉ सरिता जोशी ने महिलाओं को गन्ने की पौध तैयार करने के लिए समूह बनाने पर जोर दिया। इस किसान जागरूकता कार्यक्रम में सुबोध चौधरी ,सोमनाथ आदि सहित लगभग 95 कृषकों ने भाग लिया।

रेलवे चोरी मे गिरफ्तार अभियुक्त गोविंद पटेल व राहुल पटेल को मुकदमा दर्ज कर भेजा गया जेल

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल बनारस रेल इंजन कारखाना वाराणसी द्वारा बनारस रेल इंजन कारखाना वाराणसी कॉलोनी परिसर में हो रही रेल संपत्ति की चोरी के निमित्त गठित टास्क टीम द्वारा प्रभारी निरीक्षक चेतराम मीणा एवं निरीक्षक क्राइम संदीप कुमार यादव के निर्देशन में 19 फरवरी 2026 को उप निरीक्षक लव कुश प्रसाद,उप निरीक्षक जगत नारायण मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक लाल मनीराम,हेड कांस्टेबल राकेश सिंह,कांस्टेबल दिनेश प्रसाद,कांस्टेबल अवधेश चौहान, कांस्टेबल उमेश यादव सभी रेलवे सुरक्षा बल प्रशासन पोस्ट बरेका वाराणसी एवं सहायक उप निरीक्षक सतीश तिवारी एवं हे.का.पवन कुमार झा अपराध आसूचना शाखा बरेका वाराणसी प्रशासन पोस्ट पर दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 01/26 व/र 3फढ (वढ) अू३ र/श अज्ञात 9 फरवरी 2026 में संयुक्त रूप से पतारसी सुराग रसी कर रहे थे जिसमे दो चोरों को मौके पर पकड़ लिया गया ` पकड़े गए चोरों ने अपना नाम पता क्रमशः (1) गोविंद पटेल उर्फ गोपी पुत्र संजय कुमार पटेल उर्फ झुनालाल निवासी सुंदरपुर थाना भेलूपुर जिला वाराणसी उम्र 24 वर्ष,(2) राहुल पटेल पुत्र स्वर्गीय राजेंद्र पटेल निवासी मोहल्ला इंदिरा थाना चितईपुर जिला वाराणसी उम्र 22 वर्ष बताया मौके पे चोरो से रेल संपत्ति की स्विच बोर्ड मय स्विच सॉकेट,एमसीबी,कैंसिल लाइट, कॉलबेल इत्यादि बरामद हुआ ` चोरों को हिरासत आरपीएफ लेकर मौके की फर्द मुरत्तव संबंधी विधिक कार्यवाही पूरी की गई,मौके से गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध रेलवे सुरक्षा बल प्रशासन पोस्ट बरेका पर मुकदमा अपराध संख्या 02/26 व/र 3फढ(वढ)अू३ र/श गोविंद पटेल आदि 19 फरवरी 26 कायम किया गया` मामले की जांच सहायक उप निरीक्षक रमेश प्रसाद कर रहे हैं अभियुक्तगणों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायालय द्वारा उन्हें जेल भेज दिया।

गौशाला पहुंचकर गौ माता की पूजा की, खाद्य सामग्री खिलायी

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। अमृत सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में सदस्यों ने गौशाला पहुंचकर गौ माता की पूजा की और गायों को खाद्य सामग्री खिलायी,माला पहनाई। अमृत सेवा ट्रस्ट से जुड़ी समाज सेविका डॉ अनिला आर्य ने बताया कि ग्रामीणांचल में स्थित गौशाला में जाना हुआ। इसमें लगभग बहत्तर गायें हैं। इनकी देखभाल के लिए राजपाल तथा महेन्द्री की तैनाती है। गाय भारतीय संस्कृति में माता का दर्जा प्राप्त है ।प्रातः प्रतिदिन पूजनीय गाय को स्पर्श करने ने उच्च रक्तचाप नियंत्रित होता है ।गाय के एक चम्मच घी को हवन में उपयोग करने से एक टन ऑक्सीजन की उत्पत्ति होती है ।गोबर कीटाणु निरोधक गुणों से भरपूर होने के कारण लीपने तथा जख्म पर लगाने के लिए उपयोग होता है। गौमूत्र कैंसर अवरोधक गुणों से भरपूर होता है। गाय का दूध दही मट्ठा अमृत लगता है जब पीते हैं खाते हैं। अमृत सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में गौशाला में गायों की पूजा की तथा खाद्य सामग्री खिलायी। माला पहनाई। सभी गायें बहुत ही उत्सुकता के साथ अपनी अखोर छोड़ कर खुले में आ गयीं। दृश्य भाव पूर्ण था। राजपाल तथा महेन्द्री वहां सेवक पद पर नियुक्ति पर हैं। उनका भी हमने माला तथा पटका पहनाकर अभिनन्दन किया साथ ही राधा कृष्ण की तस्वीर भेंट करी। गौशाला के बाहर एक पौधे (सजावटी)के छह सात पौधे उपज गये थे उनको तथा गुलाब की कलम लगायी। इस अवसर पर डाक्टर उपेन्द्र कुमार आर्य, डाक्टर ब्रम्हपाल सिंह आर्य, राजकुमार प्रजापति, जोगेश्वर सिंह, राजपाल, महेन्द्री, महेश ,डाक्टर अनिला सिंह आर्य आदि की गरिमा मयी उपस्थिति रही।

वैश्य समाज का होली मिलन कार्यक्रम एक मार्च को

वेलकम इंडिया

मोदीनगर,(अनिल वशिष्ठ)। वैश्य समाज मोदीनगर द्वारा एक मार्च को होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। होली मिलन कार्यक्रम को लेकर वैश्य समाज मोदीनगर की एक आवश्यक बैठक संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर बृजभूषण बंसल के निवास स्थान टीचर्स कॉलोनी बस स्टैंड मोदीनगर पर संपन्न हुई। बैठक में आगामी होली मिलन समारोह का आयोजन एक मार्च रविवार को होना निश्चित किया गया है। इस मौके पर संस्था के महामंत्री डॉ अनुज अग्रवाल, संयोजक देवराज मित्तल, कोषाध्यक्ष अश्वनी गुप्ता, संजय सिंघल, अनिल गोयल, आसाराम, संदीप मित्तल, अभिषेक मित्तल, मुकेश गुप्ता, सुरेंद्र गुप्ता, गजेंद्र पंकज कंसल, रविंद्र बंसल आदि सदस्य उपस्थित रहे।

सिगरा स्टेडियम में लगेगा जेएसके क्रिकेट का मेला 22 फरवरी को- संजीव अग्रवाल

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- जेएसके प्रीमियर लीग पुरूष एवं महिला क्रिकेट टूर्नामेंट आगामी रविवार 22 फरवरी सुबह आठ बजे सिगरा स्टेडियम वाराणसी में जेपीएल 2026 का आयोजन किया जा रहा है ` इस आशय की जानकारी जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक संजीव अग्रवाल एवं कार्यक्रम सयोंजक ब्रजेश लोड, आकांक्षा मिश्रा,अमित सोनी एवं पूजा सोनी ने 20 फरवरी शुक्रवार को महमूरगंज स्थित वीवान डाइमेन्ड ज्वेलर्स के शोरूम में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में संयुक्त रूप से दी इस अवसर पर संस्थापक जेएसके फाउंडेशन के संजीव अग्रवाल ने बताया कि इसमें 16 टीमे भाग ले रही है, जिसमें प्रत्येक टीम में 15 महिला व 15 पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे ये सभी खिलाड़ी जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के सदस्य ही है सभी सोलह टीम,एक टाइटल स्पॉन्सर, सात को स्पांसर & पार्टनर्स व टीम ऑनर के सहयोग से हो रहा है इसमें सभी अंपायर स्कोरर सब ऑफिशल होंगे` मेल क्रिकेट मैच आठ ओवर के एवं फीमेल क्रिकेट मैच छह ओवर के होंगे सभी प्रमुख विजेताओं की विशेष शील्ड व मेडल से पुरस्कृत किया जायेगा` वाराणसी के विशिष्ट जन,खेल प्रेमी व समस्त काशी वासियों को इस अवसर पर आमंत्रित किया जा रहा है ` पत्रकार वार्ता मे मुख्य रूप से विनय गिरी,अमित सिकदर, रिंकी जैन,पलक अग्रवाल, प्रदीप उपाध्याय, विकास शुक्ला, प्रमोद शर्मा सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे ।

विराट हिन्दू सम्मेलन ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद,(अनिल वशिष्ठ)। राजनगर एक्सटेंशन की नीलगिरी बस्ती के अंतर्गत आने वाली सभी प्रमुख सोसायटियों अजनारा इंटीग्रिटी, ऑफिसर सिटी 1, एमसीसी सिग्नेचर हाइट्स, चार्म्स कैसल, सिग्नेचर होम्स और क्वांटम रेजिडेंसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'विराट हिन्दू सम्मेलन' एक ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस समागम ने न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक एकता की भी एक अनुपम मिसाल पेश की।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की पूज्या साध्वी श्वेता भारती ने अपने आध्यात्मिक उद्बोधन में 'आत्म-साक्षात्कार' और 'धर्म-रक्षा' पर बल दिया। उन्होंने कहाः जब मनुष्य के भीतर का अंधकार ब्रह्मज्ञान के प्रकाश से मिटता है, तभी एक सशक्त और सुसंस्कृत राष्ट्र का निर्माण होता है। आज के युग में 'मम दीक्षा हिन्दू रक्षा, मम मंत्रः समानता' ही हमारा मूल संकल्प होना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यशपाल सिंह आर्य (पश्चिमी उत्तर प्रदेश, विश्व हिन्दू परिषद - धर्म प्रसार प्रमुख) ने अपने संबोधन में 'संघ के सौ वर्ष की यात्रा' पर प्रकाश डालते हुए सनातनी समाज को संगठित होने का आह्वान किया। वहीं, विशिष्ट अतिथि नीरज (महानगर सह कार्यवाह, गाजियाबाद) ने 'पंच परिवर्तन' विषय पर बोलते हुए सामाजिक कुरीतियों को त्याग कर समरसता अपनाने का मार्ग दिखाया। प्रख्यात कवि स्वदेश यादव और दीपक दिव्यांश ने अपनी ओजपूर्ण राष्ट्रभक्ति की कविताओं से उपस्थित जनसमूह में अद्भुत ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम की शुरूआत अजनारा मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा से हुई। बच्चों द्वारा प्रस्तुत श्जननी जन्मभूमिश्र और श्केसरी के लाल - हनुमान महिमाश्र जैसी नृत्य नाटिकाओं ने दर्शकों का मन मोह लिया । इन कार्यक्रमों का समन्वय श्रीमती आकांक्षा राय और श्रीमती ऋतु शर्मा की टीमों द्वारा किया गया । मातृशक्ति एवं अन्य सहयोगी श्रीमती वर्तिका त्यागी (अतिथि परिचय एवं संचालन), श्रीमती दीप्ति श्रीवास्तव, श्रीमती गुंजन त्यागी, श्रीमती जुबली पांडेय, श्रीमती परमजीत कौर गुप्ता, श्रीमती रेनू शर्मा।आयोजन की सफलता में हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति के अध्यक्ष शिव कुमार त्यागी, राजनगर एक्सटेंशन संघ चालाक मदन त्यागी, महानगर संघ श्रम शक्ति प्रमुख प्रभात कुमार, भाजपा नेता संदीप त्यागी, सुश्री वर्तिका त्यागी (संचालन), रामकृष्ण साहा, सुजीत झा,और संरक्षकों राजेंद्र प्रसाद गर्ग, राजेश कुमार , दुष्यंत शर्मा, संतोष पांडेय, मदनपाल त्यागी और सत्येंद्र श्रीवास्तव जी का मार्गदर्शन रहा।

विभिन्न सोसायटियों से आए प्रमुख सहयोगियों में नितिन त्यागी, नीरज त्यागी, अरुणेश शर्मा, दीपक गर्ग, श्री दिनेश चंद्र ध्यानी,संजय त्यागी सहित सैकड़ों धर्मप्रेमी शामिल रहे।

सूर्या हॉस्पिटल यूनिट 2 का फीता काटकर पूर्व विधायक वहाब चौधरी ने किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया

मुरादनगर,(अनिल वशिष्ठ)। मुरादनगर में रावली रोड स्थित टेलीफोन एक्सचेंज के सामने अत्यंत आधुनिक सुविधाओं से लैस एक हॉस्पिटल सूर्या हॉस्पिटल यूनिट 2 का उद्घाटन पूर्व विधायक वहाब चौधरी ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इसकी पहली यूनिट आई टी एस डेंटल कॉलेज सूर्या हॉस्पिटल के नाम से पिछले विगत 25-30 वर्षों से चल रही है। जिसकी दूसरी यूनिट आज शुभारंभ हुआ है। जिसमें प्रमुख रूप से समाज सेवी अजय प्रमुख, डॉ सुनील चौधरी के नेतृत्व में अनुभवी चिकित्सको के पैनल के द्वारा हॉस्पिटल का शुभारंभ किया गया है। जिसमें क्षेत्र के लोगों के लिए बेहतर से बेहतर सुविधा मोदीनगर गाजियाबाद जैसे बड़े हॉस्पिटलों जैसी सुविधाएं और अंत्य आधुनिक मशीन है, जांच डॉक्टर की फीस हॉस्पिटल का खर्चा सीमित खर्चों के साथ में किया जाएगा। आज क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों ने आकर डॉक्टर सुनील चौधरी, और अजय प्रमुख जी, हाजी इस्लाम को और समस्त डॉक्टर टीम को आकर के बधाई दी। आज से यह हॉस्पिटल जनता के लिए खुल गया है। जिसमें सभी सुविधाएं रहेगी। इस मौके पर उपस्थित पूर्व मेयर आशु वर्मा, पूर्व मंत्री रामकिशोर अग्रवाल, कैबिनेट मंत्री जयंत चौधरी के निजी सचिव वीर पाल मालिक जी,एडवोकेट कुंवर अय्यूब अली जी, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत बिड्डी, गन्ना समिति चेयरमैन राजन चौधरी, जिला, रालोद जिलाध्यक्ष रामपाल चौधरी, जिला पंचायत सदस्य विकास यादव, पतला चेयरमैन रीता चौधरी, निजाम चौधरी, संजय जाटव ,भूरे चौधरी, ताज चौधरी, जाट सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन सरोहा, भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद चौधरी आदि हजारों गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही।

शातिर ने चिकित्सक के बैंक खाते से किए 30 लाख रुपये स्थानांतरण

वेलकम इंडिया

मोदीनगर। श्रीनगर कॉलोनी निवासी चिकित्सक एवं मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रवण कुमार शर्मा के बैंक खाते से 30 लाख रुपये स्थानांतरण मामला सामने आया है। पीड़ित चिकित्सक ने बैंक अधिकारियों पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए मोदीनगर कोतवाली में तहरीर दी है। श्रवण कुमार शर्मा ने बताया कि उनका खाता उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थानीय शाखा में है। गुरुवार को उन्हें जानकारी मिली कि 17 से 19 फरवरी के बीच उनके खाते से कुल 30 लाख रुपये विभिन्न खातों में स्थानांतरण कर दिए गए। इस लेन-देन की उन्हें कोई पूर्व सूचना या जानकारी नहीं थी। पीड़ित के अनुसार, यह राशि कुल नौ अलग-अलग खातों में स्थानांतरण की गई। सबसे पहले 10 रुपये का ट्रांजेक्शन किया गया और बाद में 21 लाख रुपये एक ही बार में स्थानांतरण किए गए। इसके अलावा बीच में भी कई अन्य ट्रांजेक्शन हुए। जब उन्होंने बैंक शाखा पहुंचकर प्रबंधन से इस संबंध में बातचीत की, तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। शुक्रवार को उन्होंने मोदीनगर कोतवाली में बैंक प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई।

विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा/प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन/सवर्ण महासभा का पुष्प वर्षा के साथ होली मिलन समारोह धूमधाम से हुआ संपन्न

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। गाजियाबाद नवयुग मार्केट अन्नपूर्णा बैंकट हॉल स्थित विश्व ब्रह्मऋषि ब्राह्मण महासभा/प्राइवेट चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन/ सवर्ण महासभा के तत्वाधान में होली मिलन समारोह बड़ी धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यसभा सांसद डॉ अनिल अग्रवाल एवं मयंक गोयल महानगर अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी द्वारा ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर संस्थाओं के पीठाधीश्वर ब्रह्मऋषि विभूति बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि होली एक प्रमुख हिंदू धार्मिक पर्व है जो खुशी, आनंद, प्रेम और एकता की भावना को दर्शाता है। यह फागुन मास के शुक्ल पक्ष में मनाया जाता है और इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है, जैसे- रंगपंचमी, धुलेंदी और धुलंडी। कुछ लोग इसे रंगों और भांग के इस्तेमाल से आनंद मनाने का त्योहार मानते हैं। लेकिन होली का असली अर्थ वही है जो सनातन धर्म के संतों ने सिखाया है। होली रंगों का त्योहार है, जिसका उद्देश्य दुनिया में खुशियों के रंग फैलाना है। यह ऐसा त्योहार है जहाँ लोगों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बीच के मतभेदों को भुलाकर प्रेम और सम्मान के रंगों में सराबोर हो जाएँ। हिंदी में, 'हो' + 'ली' का अर्थ है यह याद करने का दिन कि अतीत बीत चुका है और हमें उससे आगे बढ़कर एक उज्जवल और शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण करना चाहिए। यह प्रकृति की सकारात्मकता को अपनाने और रिश्तों से कड़वाहट को दूर करने का दिन है। इस अवसर पर डॉ. सतीश भारद्वाज एडवोकेट, संतोष कुमार उपाध्याय, राजेश कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र पल त्यागी सेवाराम त्यागी, संजय चौहान, वी के अग्रवाल, संदीप सिंघल, विवेक तोमर, महेश शर्मा, कपिल शर्मा, विनीत कुमार शर्मा सुभाष शर्मा, आर सी शर्मा, आर पी शर्मा, मिलन मंडल, श्यामलाल सरकार, केपी सरकार, एन ए तोमर, सुनीता बहल, शीला रानी, आरती सिंह, बीपी सिंह, सुबोधत्यागी, एसपी गुप्ता, सुजीत सिंह, देवाशीष ओझा नरेंद्र मेहता, आदि लोग उपस्थित थे।

देश की पहली रैपिड ट्रेन नमो भारत ट्रेन का दिल्ली के सराय काले खा तक का हिस्सा पूरी तरह बनकर तैयार हो गया है जिसका 22 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे उद्घाटन

वेलकम इंडिया, कपिल चौहान

दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ के मोदीपुरम की 82 किलोमीटर की दूरी महज 55 मिनट में होगी पूरी। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (ठउफळउ) के द्वारा संचालित नमो भारत (रैपिड रेल) का दिल्ली तक का खंड बनकर तैयार हो गया है जिसका उद्घाटन आगामी 22 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया जाएगा इसके बाद दिल्ली के सराय काले खां से उत्तर प्रदेश के मेरठ तक लोग इस नमो भारत ट्रेन के जरिए अपनी यात्रा कर सकेंगे और उस दिन से इसको जनता के लिए समर्पित कर दिया जाएगा। बता दें पहले से ही इसका संचालक उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद और मेरठ तक जारी है लेकिन दिल्ली के सराय काले खां तक का खंड अब बनकर तैयार हो गया है जो 22 फरवरी से जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस ट्रेन के जरिए दिल्ली के सराय काले खान से मेरठ(मोदीपुरम) की दूरी महज 55 मिनट में पूरी होगी। दिल्ली से मेरठ या यूं कहें मेरठ से दिल्ली का सफर करने वाले लोगों को यहां खासी राहत मिलने जा रही है क्योंकि इससे पहले दिल्ली से मेरठ तक का सफर कई घंटे में पूरा होता था लोगों को घंटा घंटा जाम में जूझना पड़ता था बारिश गर्मी और सर्दी का कहर झेलना पड़ता था लेकिन अब उन्हें यहां राहत मिलती नजर आ रही है क्योंकि अब दिल्ली के सराय काले खा से मेरठ के मोदीपुरम तक करीब 82 किलोमीटर के ट्रैक पर मैच 55 मिनट में सफर तय करेगी। करीब 15 स्टेशन इस दौरान ट्रैक पर बनाए गए हैं आधुनिक सेवाओं से लैस नमो भारत ट्रेन में लोगों की सुविधाओं का बेहद ख्याल रखा गया है लग्जरी सीटों के साथ मोबाइल लैपटॉप चार्जिंग की सुविधा भी यहां दी गई है। जिसका शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 फरवरी को करने जा रहे हैं जिसके बाद यह आम लोगों के लिए खोल दी जाएगी। और लोगों को लंबे और थकान भरे सफर से राहत र मिलेगी।

मिलावट की आशंका में छापा घी के 1800 डिब्बे किए जब्त

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। खाद्य सुरक्षा विभाग ने शुक्रवार को कविनगर में छापेमारी कर बेकरी उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले घी (मार्गरीन ब्लेंड बटर) के 1,800 डिब्बे जब्त किए। कार्रवाई मिलावट की आशंका में की गई। घी के दो नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। साथ ही एक और फर्म से लिए गए रिफाइंड तेल के तीन नमूनों की भी जांच कराई जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय ने बताया कि सूचना के आधार पर टीम ने कविनगर स्थित रॉयल फूड फर्म पर छापा मारा। यहां से मार्गरीन ब्लेंड बटर के एक लीटर के 150, 500 मिलीलीटर के 900 और 200 मिलीलीटर के 750 जार जब्त किए गए। जब्त घी की अनुमानित कीमत 3.45 लाख रुपये बताई गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी के अनुसार, यह उत्पाद मुख्य रूप से बेकरी उत्पादों में इस्तेमाल होता है। इसमें 10 प्रतिशत बटर और 90 प्रतिशत मार्गरीन होना चाहिए। शिकायत मिली थी कि इसे पूरी तरह मार्गरीन से तैयार किया जा रहा है। संदेह के आधार पर स्टॉक सीज कर नमूने जांच के लिए लखनऊ भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा गोविंदपुरम मंडी स्थित एसजी एडिबल ऑयल पर छापा मारकर रिफाइंड राइस ब्रान ऑयल व सोयाबीन ऑयल के तीन नमूने लिए गए। निर्माण स्थल का निरीक्षण कर सुधार के निर्देश दिए गए। साथ ही नोटिस जारी किया गया है। यह होता है मार्गरीन : मार्गरीन वनस्पति तेलों से बना कृत्रिम मक्खन जैसा उत्पाद है। इसका उपयोग मक्खन के विकल्प के रूप में खाना पकाने, बेकिंग (पेस्ट्री, केक, कुकीज) व स्प्रेड के रूप में किया जाता है। त्योहारी सीजन आते ही मिलावटखोर सक्रिय हो गए हैं। इसे देखते हुए विभाग ने भी कार्रवाई तेज कर दी है। होली के मद्देनजर मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए पांच टीमें गठित कर विशेष अभियान शुरू किया है। पिछले वर्ष होली के दौरान जिले में 155 स्थानों का निरीक्षण करने के साथ ही 81 स्थानों पर छापा मारा गया था। इस दौरान कुल 124 नमूने लिए गए थे। साथ ही 120 किलो मावा व दूध उत्पाद नष्ट कराए गए थे।

गाजियाबाद पुलिस ने कफ सिरप तस्करी के मुख्य अभियुक्त की दो करोड़ की संपत्ति जब्त की

वेलकम इंडिया, कपिल चौहान

गाजियाबाद। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने प्रतिबंधित कफ सिरप की कालाबाजारी और तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए बड़ी कार्रवाई की थी। पुलिस ने गिरोह के आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। 3/4 नवंबर 2025 को कार्रवाई करते हुए चार ट्रकों में चूने के बोरों के बीच छिपाकर रखी गई। जांच में सामने आया था कि मुख्य आरोपी सौरभ त्यागी एनसीआर में कफ सिरप एकत्र कर उसकी तस्करी करता था। वह आर.एस. फार्मा फर्म के माध्यम से अवैध कारोबार संचालित कर रहा था। पुलिस जांच के अनुसार, आरोपी और उसकी पत्नी मोहिनी द्वारा पिछले पांच वर्षों में दाखिल आयकर रिटर्न के मुताबिक कुल आय 59,78,260 रुपये थी, जबकि वर्ष 2020 से 2025 के बीच दोनों के नाम पर दो करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित की गई, जो कथित रूप से अवैध कमाई से खरीदी गई थी। आरोपी ने अवैध धन से इंदिरापुरम स्थित शक्ति खंड और ज्ञान खंड में व्यावसायिक संपत्तियां खरीदीं, जिनमें एरोस मार्केट प्लेस की दुकान संख्या 016 तथा कृष्णा अपरा डी-मॉल का शॉप नंबर ए-30 और केएस-19 शामिल हैं। इसके अतिरिक्त चार कारें भी खरीदी गईं, जिनकी अनुमानित बाजार कीमत करीब दो करोड़ रुपये आंकी गई है। इस चल अचल संपत्ति को ठऊढर की धारा 68 ऋ के तहत जप्त/सीज किया गया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह के नेटवर्क और अन्य संपत्तियों की जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि नशीली दवाओं की तस्करी पर सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर हमला, फाइलें फाड़ी, रिपोर्ट

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। कविनगर में कचहरी परिसर में एक अधिवक्ता के चैंबर में घुसकर हमला करने और चैंबर में रखी फाइलें फाड़ने की घटना सामने आई है। मामले में अधिवक्ता योगेंद्र कुमार सिंह ने कविनगर थाने में अखिलेश यादव व दो अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। अधिवक्ता योगेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वह 19 फरवरी की सुबह करीब 11 बजे परिवार न्यायालय कोर्ट संख्या-एक में वंदना भारद्वाज बनाम अखिलेश सिंह यादव मामले की सुनवाई में मौजूद थे। इस दौरान विपक्षी अखिलेश यादव ने उनकी मुवक्किल वंदना और उनको गाली दी। उस समय उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। सुनवाई के बाद अखिलेश यादव अपने दो साथियों के साथ उनके चैंबर पर पहुंच गया और फिर गाली देना शुरू कर दिया। आरोपियों ने उनपर हमला कर दिया। फाइलें फाड़ दीं, इसमें उनका काफी नुकसान हुआ। इस बारे में एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच कराई जा रही है।

मोबाइल हैक कर खाते से निकाले 93 हजार

गाजियाबाद। कविनगर क्षेत्र के हरसांव में पंकज के बैंक खाते से साइबर ठगों ने दो बार में 93 हजार रुपये निकाल लिए। आरोपी ने उनको नामचीन कंपनी का एप डाउनलोड करने झांसा देकर मोबाइल हैक कर इस घटना का अंजाम दिया। मामले में कविनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पंकज ने बताया कि उनके पास एमेजन के नाम से व्हाट्सएप पर एक लिंक आया। उसे खोला तो कुछ जानकारी भरने के लिए कहा गया। जैसे ही उन्होंने उसे भरा, उनके बैंक खाते से दो बार में 93 हजार रुपये निकल गए। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि जिन खातों में रकम गई है, उनमें जमा रकम को फ्रीज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

गुलमोहर वाटिका में चला बुलडोजर: नक्शे के खिलाफ बने अतिरिक्त तल और अतिक्रमण ध्वस्त

वेलकम इंडिया, कपिल चौहान

गाजियाबाद। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध निमार्णों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जोन-7 क्षेत्र के गुलमोहर वाटिका कॉलोनी में कई भूखण्डों पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। उपाध्यक्ष के निर्देश पर प्रभारी प्रवर्तन जोन-7 के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई, जिसमें स्वीकृत मानचित्र के विरुद्ध बनाए गए अतिरिक्त तल और सेटबैक पर किए गए अतिक्रमण को तोड़ा गया। प्राधिकरण द्वारा जिन भूखण्डों पर कार्रवाई की गई, उनमें 04, 05, 07, 08, 09-10, 11, 17, 18, 20, 21, 23-24, 28, 29 और सी-1 समेत कई प्लॉट शामिल रहे। संबंधित मामलों में पूर्व से वाद दर्ज थे और नोटिस के बावजूद नियमों का पालन नहीं किया गया था। इसके बाद विधिक प्रक्रिया पूरी कर बुलडोजर की कार्रवाई की गई। शमन के लिए 5 निर्माणकताओं ने दिया प्रार्थना पत्र गुलमोहर वाटिका में कुल 5 निर्माणकताओं ने शमन (कम्पाउंडिंग) के लिए आवेदन प्रस्तुत किए हैं। बताया गया कि उनके निर्माण शमन सीमा के अंतर्गत पाए गए हैं, जिन पर नियमानुसार विचार किया जाएगा। भारी पुलिस बल की मौजूदगी ध्वस्तीकरण के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए स्थानीय पुलिस, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन जोन का स्टाफ मौके पर मौजूद रहा। कार्रवाई के समय सहायक अभियंता पियूष सिंह, अवर अभियंता प्रशांत मिश्रा और अर्जुन यादव सहित पूरी टीम निगरानी में रही।

जेब में रखे रहे क्रेडिट कार्ड, हो गई 1.16 लाख की खरीदारी

मसूरी। आकाश नगर गोविंद पुरम में दो क्रेडिट कार्ड ग्राहक के जेब में रखे रहे और उनसे 1.16 लाख की खरीदारी हो गई। मैसेज मिलने पर उनको इसका पता चला। खास बात यह रही कि उन्होंने इस संबंध में किसी को न तो ओटीपी बताया और न ही खाते आदि से जुड़ी कोई जानकारी किसी को दी। अब मसूरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है। आकाश नगर गोविंदपुरम निवासी बोबी माथुर ने बताया कि 19 जनवरी को उनके पास मैसेज आया। पता चला कि दो अलग-अलग क्रेडिट कार्डों से 1.16 लाख की खरीदारी की गई है। एसीपी लिपि नगायच ने बताया कि जिन खातों में यह रकम ट्रांसफर हुई है, उसके आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

मां गंगा के तट से महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी ने अपने शिष्यों के साथ सभी हिन्दू धमार्चार्यों का आह्वान किया

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद। आज शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी जी महाराज ने विश्व धर्म संसद की मुख्य संयोजक डॉ उदिता त्यागी व अपने शिष्यों यति रामस्वरूपानंद गिरी, यति रणसिंहानंद गिरी, यति अभयानंद गिरी, यति परमात्मानंद गिरी, योगी सरोजनाथ जी और पंडित सुनील दत्त शर्मा जी के साथ हरिद्वार के सवानंद घाट पर यूजीसी एक्ट पर संत समाज के मौन के विरोध में एक दिन का उपवास किया और जाते समय एक वीडियो बना कर हिन्दुओं के धमार्चार्यों से मोदी और मोहन भागवत की व्यक्तिगत वासना और स्वार्थ पर संपूर्ण सनातन धर्म की बलि ना चढ़ाने का निवेदन किया। वीडियो में उन्होंने यह भी कहा कि मोदी मोहन भागवत के साथ मिलकर नरपिशाचों के तृप्तिकरण में लगा हुआ है ।ये नरपिशाच काफिरों के खून के प्यासे और उनकी महिलाओं के शरीरों के भूखे हैं ।पिछले 1400 साल से ये नरपिशाच संपूर्ण मानवता को अपना शिकार बनाने में लगे हुए हैं ।भारत का ब्राह्मण क्षत्रिय और वैश्य इन नरपिशाचों का सबसे बड़ा वैचारिक शत्रु रहा है और सम्पूर्ण मानवता को बचाने के लिए प्रयासरत रहा है ।यहीं वर्ग मोदी जी के इन नरपिशाचों के तृप्तिकरण के मार्ग में सबसे बड़ा बाधक है ।अब मोदी जी ने यूजीसी के माध्यम से इन्हें समूल नष्ट करके नरपिशाचों का मार्ग निष्कंटक करने का कार्य कर दिया है ।अब ब्राह्मणों, क्षत्रियों और वैश्यों को यूजीसी एक्ट के माध्यम से समाप्त करवाया जाएगा और उसके बाद बचे हुए हिन्दू नरपिशाचों के तृप्तिकरण की भेंट चढ़ जायेंगे। उन्होंने वीडियो में यह भी कहा कि सनातन धर्म के विनाश के सबसे बड़े दोषी धमार्चार्य होंगे जो पता नहीं किस कारण से इस अन्याय का बिल्कुल भी विरोध नहीं कर रहे हैं।